राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 01 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-305 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पदयात्रा के दौरान केजरीवाल पर एक शख्स ने फेंका पानी

'आप' का दावा- जिंदा जलाने की हुई कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर गुरुवार को दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में पदयात्रा के दौरान एक व्यक्ति ने तरल पदार्थ फेंकने का प्रयास किया। यह घटना तब हुई जब केजरीवाल अपनी पार्टी की उपस्थिति को मजबूत करने और क्षेत्र में मतदाताओं से जुड़ने के अपने अभियान के तहत जनता से जुड़ रहे थे। आरोपी, जिसकी पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है, ने उस समय हमले को अंजाम देने की कोशिश की जब केजरीवाल इलाके से गुजर रहे थे।

हालाँकि, सुरक्षा कर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया से उनका प्रयास विफल हो गया। उन्होंने तुरंत हस्तक्षेप किया, तरल पदार्थ को केजरीवाल तक पहुंचने से रोका और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उस व्यक्ति को काबू में कर लिया और आगे की पूछताछ के लिए पुलिस को सौंप दिया। अधिकारी हमले के पीछे के मकसद की जांच कर रहे हैं. हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन इस घटना ने सार्वजनिक अभियानों के दौरान राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा पर चिंता बढ़ा दी है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि शाम करीब 05:50 बजे मालवीय नगर थाना क्षेत्र में अरविंद केजरीवाल की पदयात्रा के दौरान जनता से हाथ मिलाते समय अचानक अशोक झा नाम के एक व्यक्ति ने अरविंद केजरीवाल पर पानी फेंकने का प्रयास किया, लेकिन रस्सियों के साथ पास में ही पुलिस स्टाफ होने के कारण उसे तुरंत पकड़ लिया गया। उक्त प्रयास को विफल कर दिया गया और व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। कथित व्यक्ति खानपुर डिपो में बस मार्शल के पद पर कार्यरत है। इस कृत्य के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए व्यक्ति से आगे की पूछताछ जारी है।

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि यह व्यवस्थित है या नहीं, कुछ कहा नहीं जा सकता। मेरा मानना ??है कि जनता परेशान है। इस देश में दो लोग बहुत झूठ बोलते हैं, एक पीएम मोदी और दूसरे अरविंद केजरीवाल। उन्होंने झूठे वादे किये लेकिन लोगों के लिए काम नहीं किया। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ग्रेटर कैलाश के सावित्री नगर इलाके में पदयात्रा पर थे। उनसे मिलने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे। एक शख्स ने अचानक उन पर हमला कर दिया। उसने उस पर स्पिरिट फेंक दी। शख्स ने उन्हें जिंदा जलाने की कोशिश की। उनके एक हाथ में स्पिरिट और दूसरे हाथ में माचिस थी। हमारे कार्यकर्ता और लोग सतर्क थे और उन्होंने उन्हें उनके काम में सफल नहीं होने दिया।

आगामी चुनावों से पहले जनता के साथ जुड़ने के केजरीवाल के निरंतर प्रयासों के बीच यह हमला करने का प्रयास किया गया है, और यह राजनीतिक नेताओं द्वारा घटकों के साथ बातचीत करते समय सुरक्षा बनाए रखने में आने वाली चुनौतियों को

उजागर करता है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक मानदेय देने के लिए मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत पंजीकरण जल्द ही शुरू होगा।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड, 26 पर लगाया मकोका

मुंबई। राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में मुंबई पुलिस ने 26 आरोपियों पर मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट) लगाया। इस मामले में अभी भी तीन आरोपी वांछित हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बता दें कि बाबा सिद्दीकी को 12 अक्तूबर की रात उनके बेटे और कांग्रेस नेता जीशान सिद्दीकी के ऑफिस से बाहर निकलने के दौरान गोली मारी गई थी। जिसके बाद लीलावती अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार 15 दिसंबर से निकलेंगे महिला संवाद यात्रा पर

पटना। अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाला है। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में लाडली बहन योजना तथा झारखंड में मईया सम्मान योजना के तहत सभी महिलाओं को हर महीने भत्ता मिलने से सत्ता में वापसी के लिए यह योजनाएं काफी कारगर साबित हुई हैं। अब इसी योजना के तर्ज पर बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार भी राज्य में महिलाओं के वोट बैंक को साधने की जुगत में लग गए है। खबर है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य भर में महिला संवाद यात्रा करने वाले हैं। वैसे भी नीतीश कुमार अपनी सियासी यात्राओं के लिए जाने जाते हैं। अब तक 14 यात्रा कर चुके नीतीश की कई बार सत्ता वापसी में इन यात्राओं की बड़ी भूमिका रही है। महिलाओं से संवाद और रायशुमारी के बाद ही नीतीश कुमार ने बिहार में शराबबंदी जैसा फैसला लिया था। जिसका उन्हें लाभ भी मिला। उधर विपक्ष का कहना है कि यह नीतीश की अंतिम सियासी यात्रा साबित होगी। जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि नीतीश की इस यात्रा के बाद चुनाव में राजद की दुकान बंद हो जाएगी। बहरहाल बिहार में तेजस्वी, चिराग, उपेंद्र, कुशवाहा और प्रशांत किशोर एक दौर की यात्रा कर चुके हैं। अब बारी उस नीतीश कुमार की है जो सियासी यात्राओं के माहिर खिलाड़ी रहे हैं। अगर नीतीश कुमार की सरकार महिलाओं के लिए नगद राशि देने जैसी किसी योजना की घोषणा करती है तो यह ट्रंप कार्ड साबित हो सकता है, जिसका काट खोजना विपक्ष के लिए मुश्किल होगा। वैसे भी 33 प्रतिशत आरक्षण देकर नीतीश कुमार महिला वोटबैंक पर काफी हद तक अपनी पकड़ मजबूत कर चुके हैं।

कनाडा में आतंकी अर्श डल्ला को जमानत

जालंधर। खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला को कनाडा कोर्ट ने जमानत दे दी है। हॉल्टन में हुई शूटआउट मामले में आतंकी अर्श डल्ला को गिरफ्तार किया गया था। अर्श डल्ला की जमानत के लिए 30,000 कनाडाई डॉलर (18 लाख 11 हजार रुपए) की जमानत राशि जमा कराई गई है। बता दें कि अर्श डल्ला के खिलाफ भारत में 70 से ज्यादा एफआईआर दर्ज हैं। भारत ने आतंकी घोषित कर चुका है। मामले में अगली सुनवाई 24 फरवरी 2025 को होगी। अर्श डल्ला को 28 अक्टूबर को कनाडा में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद भारत सरकार द्वारा भी डल्ला के समर्पण को लेकर बातचीत की कोशिश चल रही थी। मगर भारत कुछ करता, इससे पहले ही डल्ला को कनाडा में जमानत मिल गई।

महिलाओं को आगे आकर केंद्र की योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए : सीतारमण

मधुबनी (बिहार)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिलाओं से आगे आने और केंद्रीय योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया ताकि वे अधिक सक्षम और सशक्त बन सकें। सीतारमण मधुबनी में आयोजित 'क्रेडिट आउटरीच' कार्यक्रम में बोल रही थीं, जहां विभिन्न बैंकों द्वारा 50,294 लाभार्थियों को 1,121 करोड़ रुपये के ऋण प्रदान किए गए। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं कि देश के हर गांव में एक 'लखपति दीदी' होनी चाहिएज्और इसके लिए बैंकों ने महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।'' सीतारमण ने कहा, ''बिहार में प्रत्येक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मैं महिलाओं से आग्रह करती हूं कि वे केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का हिस्सा बनें... ताकि वे अधिक सक्षम और सशक्त बन सकें।'' उन्होंने यह भी कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

किसान के भेष, ट्रैक्टर पर सवार होकर धान खरीदी केंद्र पहुंचे कलेक्टर... व्यवस्थाओं को लिया जायजा

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के कलेक्टर विलास भोसकर ने एक अनोखे तरीके से धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर भोसकर किसान के भेष में गमछा बांधकर ट्रैक्टर पर सवार होकर केंद्र पहुंचे और घंटों तक लाइन में खड़े रहकर खरीदारी प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान, उन्होंने टोकन से लेकर तौल प्रक्रिया तक सभी पहलुओं का निरीक्षण कर किसानों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। कलेक्टर श्री भोसकर और एसडीएम रवि राही ने पेटला धान उपार्जन केंद्र का दौरा किया। इस दौरान कलेक्टर ने किसान के रूप में लाइन में खड़े होकर खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं का अनुभव लिया, जिससे किसी को भी यह अहसास नहीं हुआ कि वे कलेक्टर हैं। उन्होंने किसानों से उनके अनुभवों के बारे में बात की, कर्मचारियों के व्यवहार का मूल्यांकन किया, और तौल प्रक्रिया की जानकारी ली।

अरे ये क्या... महाराष्ट्र में दुल्हा तय नहीं, लेकिन शादी की तारीख निकली

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर अभी तक सस्पेंस है, लेकिन मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख सामने आ गई है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, 2 दिसंबर को भाजपा विधायकों की बैठक होगी, जिसमें विधायक अपने दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। इसके बाद 5 दिसंबर को दोपहर करीब 1 बजे मुंबई के आजाद मैदान में मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होगा। समारोह में पीएम मोदी सहित बीजेपी के तमाम मुख्यमंत्रियों और अन्य दिग्गजों के जुटने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि किस दल को कौन सा मंत्रालय मिलेगा ये तो तीनों पार्टियों के नेता और आगे का फॉर्मूला भी तीनों दलों को तय करने वाले है।

महाराष्ट्र में सरकार के गठन को लेकर महायुति में चल रही माथापच्ची के बीच एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की

पहली डिमांड सामने आई है। शिंदे गुट ने गृह मंत्रालय की मांग की है। शिंदे सेना के नेता संजय शिरसाट का कहना है कि महाराष्ट्र की नई सरकार में शिवसेना को गृह विभाग मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि गृह विभाग (आमतौर पर) उपमुख्यमंत्री के पास होता है।

वहीं महायुति सीएम पद को लेकर अभी तक फैसला नहीं हो सका है। माना जा रहा है कि बीजेपी हाईकमान जातीय समीकरण से लेकर एनडीए के सहयोगी दलों को भरोसे में लेकर निर्णय लेना चाहता है। इसकारण पिछले कुछ दिन से मुंबई से लेकर दिल्ली तक बैठकें चल रही हैं।

मंत्री पद बंटवारे का फॉर्मूला

सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र सरकार में विभागों के बंटवारे में प्रत्येक सहयोगी दल की हिस्सेदारी तय करने के लिए छह विधायकों पर एक मंत्री पद के फॉर्मूले पर विचार हो रहा है। इसके अनुसार, भाजपा के पास करीब 21 से 22 मंत्री पद, शिंदे गुट को 10 से 12 मंत्रालय और अजित पवार की एनसीपी गुट को करीब 8 से 9 मंत्रालय मिल सकते है। महाराष्ट्र में मंत्री पद का कुल कोटा मुख्यमंत्री पद सहित 43 से अधिक नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस, यूडीएफ को वायनाड भूस्खलन पीड़ितों की मदद के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाना चाहिए: राहुल

कोझिकोड (केरल) (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को अपनी पार्टी कांग्रेस और यूडीएफ से वायनाड भूस्खलन पीड़ितों की मदद के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया।

राहुल गांधी अपनी बहन और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा की वायनाड लोकसभा उपचुनाव में जीत के बाद पहली बार केरल आए हैं। राहुल ने यहां मुक्कम में अपनी बहन के साथ जनसभा के दौरान भूस्खलन के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपना भाषण शुरू किया और कहा कि उनकी पार्टी और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) उन लोगों के साथ खड़े हैं, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों, संपत्तियों को खो दिया है।

उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से, हमारी सरकार नहीं है और इसलिए हम वह नहीं कर सकते जो एक सरकार कर सकती है। इसलिए, मैंने अपनी बहन और (एआईसीसी महासचिव) के. सी. वेणुगोपाल से कहा कि कांग्रेस और यूडीएफ के प्रत्येक सदस्य को भूस्खलन के पीड़ितों की मदद के लिए केरल सरकार पर दबाव बनाना चाहिए।' राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर वायनाड के लोगों के साथ भेदभाव करने का भी आरोप लगाया और कहा कि मोदी उन्हें वह सहायता प्रदान करने के लिए तैयार नहीं हैं, जिसके वे हकदार हैं। गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए दावा किया कि वह भारत के लोगों की तुलना में उद्योगपति गौतम अदाणी के साथ अलग तरह का व्यवहार कर रहे हैं, जबकि संविधान कहता है कि सभी के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। राहुल ने दावा करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि अमेरिका में अदाणी पर आरोप लगने और उन्हें अपराधी कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता तथा भारत में हम उनके खिलाफ अभियोग नहीं चलाएंगे।'

पुडुचेरी तट के पास चक्रवात फेंगल का लैंडफॉल शुरू तेज हवा, बारिश का दौर जारी

चेन्नई। पुडुचेरी तट के पास चक्रवात फेंगल का लैंडफॉल शुरू हो गया है। आईएमडी के मौसम कार्यालय ने कहा कि चक्रवाती तूफान अगले तीन से चार घंटों में तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों को पार करने की संभावना है। तूफान के कारण हुई भारी बारिश और तेज हवाओं का कहर जारी है। चेन्नई में उड़ान और ट्रेन सेवाओं को रद्द कर दिया गया है। चक्रवात फेंगल ने पुडुचेरी तट के पास दस्तक देना शुरू कर दिया है। तूफान के कारण भारी बारिश और तेज़ हवाओं का दौर जारी है। ब्रूस्क्ष ने रेड अलर्ट जारी किया है। पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पुडुचेरी में, राहत और पुनर्वास कार्यों में शामिल होने के लिए अराकोणम से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) पहुंच गया है। जिलाधिकारी के अनुसार, चक्रवात 'फेंगल' के शाम तक तट पार करने का अनुमान है। यह सुनिश्चित करने के लिए समुद्र तट के पास पूरी सड़क और कई पर्यटक स्थल बंद कर दिए गए हैं कि लोग समुद्र तटों के पास न जाएं। स्कूल और कॉलेज शनिवार को भी बंद रहे।

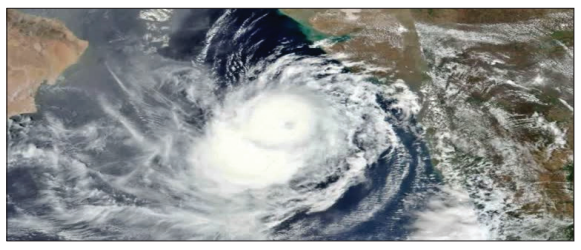

संसद में गतिरोध पर आत्मचिंतन करें जनप्रतिनिधि : धनखड़

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संसद में जारी गतिरोध पर जनप्रतिनिधियों को आत्मचिंतन करना चाहिए और संविधान की प्रस्तावना के अनुरूप शत-प्रतिशत कर्तव्य परायणता निभानी चाहिए। श्री धनखड ने यहां 'विकसित भारत 2047-विज़न ऑफ न्यू इंडिया 3.0' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संसद हमारे प्रजातंत्र का मंदिर है और यहां लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का स्थान है। उन्होंने कहा, 'हमें वहां जनता की पूजा करनी चाहिए। लोगों के सपनों को साकार करना है, लेकिन हम ऐसे मंदिर की गरिमा नहीं रख पा रहे हैं। वहां विचार-विमर्श नहीं हो रहा है।' उप राष्ट्रपति ने कहा कि संसद बहस, संवाद, विचार विमर्श और चर्चा का स्थान है, लेकिन वहां बाधा और व्यवधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह व्यवधान में समाप्त हो गया। व्यवधान और बाधा को हथियार बना लिया गया है। उन्होंने कहा, 'मैं पुरजोर अपील करूंगा कि जनप्रतिनिधि अपनी आत्मा को टटोले। अपनी शपथ को ध्यान में रखें, भारत के संविधान की प्रस्तावना को सामने रखें और संसद को शत-प्रतिशत कर्तव्य परायण बनायें।'

'आखिरी 24 घंटे हैं तेरे पास', पप्पू यादव को फिर मिली धमकी, भड़के पूर्णिया सांसद ने पूछा- कौन मुझे मरवाना चाहता है?

पटना (एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की हिट लिस्ट में शामिल बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय लोकसभा सांसद पप्पू यादव को एक और जान से मारने की धमकी मिली है। व्हाट्सएप के जरिए दी गई यह चेतावनी पाकिस्तान से जुड़े एक नंबर से आई थी, जिसमें धमकी दी गई थी कि यादव को अगले 24 घंटों के भीतर मार दिया जाएगा। संदेश भेजने वाले ने यह भी दावा किया कि उसके गार्ड भी उसकी रक्षा करने में असमर्थ होंगे। धमकी के साथ एक विस्फोट की तस्वीर भी थी।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा कि इसके पीछे क्या कारण है, वह मुझे क्यों मारना चाहता है, कौन है जो मुझे मरवाना चाहता है? कोई तो होगा जो उसे ढूंढ लेगा। इसकी जिम्मेदारी IB, RAW की है। आप (सरकार) सुरक्षा न दें, कंगना रनौत और अन्य को दें।

जांच की जिम्मेदारी निभाएं, क्या हम इस देश के नागरिक नहीं हैं, क्या हम इस देश के कानून और संविधान के लिए खड़े नहीं होते हैं? उन्होंने कहा कि अगर सच बोलने की यही सजा है तो मैं ऐसी सजा हजार बार भुगतने को तैयार हूं।

कथित तौर पर यादव के खिलाफ धमकियां तब शुरू हुईं जब उन्होंने एक्स पर बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को समर्थन दिया। बिश्नोई गिरोह से अभिनेता के जीवन को खतरे के बीच यादव ने खान को अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया। बिहार के राजनेता, जिनके खिलाफ कई आपराधिक मामले हैं, ने अक्टूबर में मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेने के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को भी चुनौती दी थी। सिद्दीकी सलमान खान का करीबी था और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने दावा किया था कि यही उसकी हत्या का कारण है।

पृथ्वी पर आने वाले संकटों की पहले ही जानकारी दे देता है आदित्य एल1

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का पहला सूर्य मिशन आदित्य एल1 अंतरिक्ष में रहकर कमाल कर रहा है। अदित्य एल1 ने धरती पर ऐसा डेटा भेजा है जो कि भारत ही नहीं पूरी दुनिया को संकट से बचाने वाला है। आदित्य एल 1 में विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ नाम का यंत्र लगाया गया है। यह कोरोनल मास इजेक्शन का सही समय बता देता है। सूर्य के बाहरी परत कोरोना से निकलने वाले आवेशित कणों की वजह से होने वाले विस्फोट को सौर तूफान कहते हैं। इसका अध्ययन सौर मिशन के मुख्य उद्देश्यों में शामिल है।

सूर्य पर लगातार आग के तूफान उठते रहते हैं जो कि धरती के इन्फ्रास्ट्रक्चर और उपग्रहों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसरो के वैज्ञानिकों का कहना है कि आदित्य एल1 अब सौर तूफान से संभाविक खतरे की जानकारी पहले ही दे देगा। ऐसे में अगली बार जब भी सूर्य पर हो रही गतिविधियों की वजह से धरती के बुनियादी ढांचे पर कोई खतरा आएगा तो उसे दूर करने में बड़ी मदद मिलेगी। बता दें कि आदित्य एल1 पर सात उपकरण लगाए गए हैं जो कि लगातार डेटा कलेक्शन का काम कर रहे हैं और धरती पर भेज रहे हैं। अगर ज्यादा ताकतवर कोरोनल मास इजेक्शन होता है तो यह पृथ्वी की कक्षा में मौजूद सैटलाइट्स को भी खराब कर सकता है। इसके अलावा इंटरनेट और अन्य कम्युनिकेशन सिस्टम भी खराब हो सकते हैं। 1859 में अब तक का सबसे बड़ा सौर तूफान आया था जिसकी वजह से टेलीग्राफ लाइन बंद हो गई थीं। इस साल 23 जुलाई को भी कोरोनाल मास इजेक्शन हुआ था। हालांकि यह नासा की सोलर ऑब्जरवेटरी स्टीरियो ए सेटकरा गया। भारत के वैज्ञानिकों ने आदित्य एल 1 को ऐसी जगह स्थापित किया है जहां से वह सूर्य की गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

सीएमई सूर्य की बाहरी परत से उठने वाले आग के बड़े-बड़े गोले होते हैं। रिपोर्ट में एक जानकार के हवाले से बताया गया कि ये आग के गोल आवेशित कणों से मिलकर बनते हैं और इनका वजन एक ट्रिलियन किलोग्राम से भी ज्यादा हो सकता है। ये गोले 3 हजार किलोमीटर प्रति सेकेंड की गति से आगे बढ़ते हैं। सूर्य से उठने वाले आग के गोले की दिशा कुछ भी हो सकती है। यह पृथ्वी की तरफ भी आ सकता है, हालांकि इसकी संभावना कम ही रहती है। अगर यह आग का गोला पृथ्वी की तरफ बढ़ने लगता है तो 15 घंटे में ही धरती को निगल जाएगा। उनका कहना है कि एक आग का गोला पृथ्वी की तरफ ही पैदा हुआ था हालांकि किन्हीं कारणों से यह पीछे की ओर चला गया। इससे पृथ्वी पर कोई फर्क नहीं पड़ा। सूर्य की बाहरी

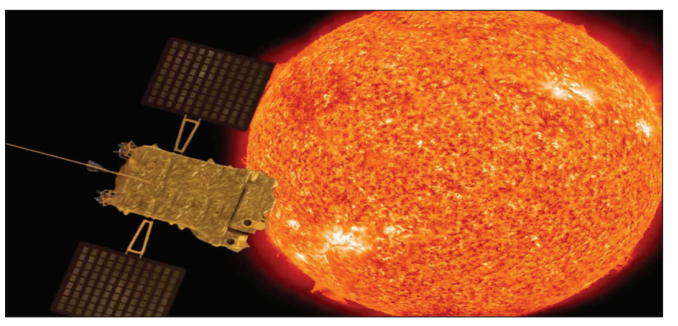

परत कोरोना पर उठने वाली लपटें पृथ्वी के मौसम को प्रभावित करती रहती हैं। इससे पैदा होने वाली मैग्नेटिक फील्ड अगर पृथ्वी पर टकराती है तो इलेक्ट्रिक ग्रिड भी फेल हो सकती है। कई बार दक्षिणी ध्रुव पर रंगीन अरोरा भी इसी की वजह से दिखाई देता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं।

(लेखक - ललित गर्ग)

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएँ अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है-चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफ है, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए।

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक आदर्श समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों-नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

एक महत्वपूर्ण क्षण

केरल के वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की 4.1 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई भारी जीत कांग्रेस पार्टी के लिये एक उत्साहजनक संदेश है। निश्चित रूप से उनके राजनीतिक जीवन और कांग्रेस पार्टी के लिये यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। शायद यह पहली बार है कि संसद में गांधी परिवार के तीन लोग सदस्य हैं। उनसे पहले राज्यसभा में मां सोनिया गांधी और लोकसभा में भाई राहुल गांधी की सक्रिय उपस्थिति बनी हुई है। उनकी इस जीत से निश्चित रूप से संसद में गांधी परिवार के प्रभाव को मजबूती मिलेगी। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि यह आज भी वंशवादी नेतृत्व पर पार्टी की निर्भरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, प्रियंका गांधी अपने आकर्षक व्यक्तित्व व प्रभावी कुशल वक्ता के रूप में पहचान रखती हैं। वह कांग्रेस पार्टी के लिए भविष्य की बड़ी उम्मीद हैं। उनकी उपस्थिति पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करती है। एक ओर जहां राहुल गांधी के नेतृत्व व अभिव्यक्ति को लेकर आलोचना की जाती रही है, मगर प्रियंका गांधी वाड्रा अपने नपे-तुले शब्दों में मुद्दों को तार्किक ढंग से उठाने के लिये भी जानी जाती हैं। उनका यह राजनीतिक कौशल वायनाड में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान बखूबी देखा गया। अपने इसी गुण के चलते वह चुनाव अभियान के दौरान तमाम मतदाताओं, खासकर महिलाओं के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने में कामयाब रहीं। लोगों को साथ जोड़ने की यही क्षमता उनकी निर्णायक जीत में खासी मददगार साबित भी हुई। उनके चुनाव अभियान ने कार्यकर्ताओं में नये उत्साह का संचार किया। यही वजह है कि पार्टी के भीतर उनकी सफलता को लेकर खासा जोश भी है। पार्टी के भीतर भी कई लोगों को उम्मीद है कि उनकी इस रिकॉर्ड जीत से कांग्रेस पार्टी संगठन में नई ऊर्जा का संचार हो सकेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो देश में पार्टी की अपील में आशातीत विस्तार की संभावनाओं को बल मिल सकेगा। फलतः पार्टी को मौजूदा संकट से उबरने में मदद मिलेगी। यह निर्विवाद सत्य है कि राजनीतिक समय की दृष्टि से प्रियंका गांधी वाड्रा की सफलता के खास मायने हैं। उनकी संसद में दस्तक ऐसे समय में हुई जब देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी बेहद चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना कर रही है। पार्टी को हाल के दिनों में महत्वपूर्ण चुनावी झटकों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा में सत्ता की चाबी पार्टी के हाथ से फिसलकर भाजपा की झोली में जा गिरी है। राजनीतिक पंडित इन असफलताओं को पार्टी की घटती प्रासंगिकता के रूप में देखते रहे हैं। साथ ही कहा जाता है कि पार्टी भाजपा की संगठनात्मक ताकत को चुनौती दे पाने में विफल रही है। दूसरे शब्दों में, पार्टी भाजपा के राजनीतिक विमर्श का विकल्प नहीं दे पा रही है। साथ ही यह अहम सवाल भी उठाया जा रहा है कि सक्रिय राजनीति में प्रियंका का उदय क्या संघर्षरत कांग्रेस में नई जान फूंक सकने में कामयाब होगा? दरअसल, वायनाड में उनकी जीत को स्थानीय सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर दमदार उपस्थिति के लिये उन्हें अभी और मेहनत करनी होगी। इस जीत को राष्ट्रीय गति में बदलने के लिये रणनीतिक सुधारों, गठबंधनों और भविष्य के लिये स्पष्ट दृष्टिकोण की जरूरत होगी।

ऑनलाइन कोर्ट- सुलभ और पारदर्शी न्याय का नया युग!

(लेखिका - सोनम लववंशी)

बीते दिनों न्यायिक प्रणाली में एक आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिला। जिससे सुलभ और पारदर्शी न्याय की आस जगना स्वाभाविक है। दरअसल न्यायिक प्रणाली का व्यवस्थित और सुचारू रूप से क्रियान्वित होना, एक सभ्य समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है और उसे आधुनिक बनाना समय की जरूरत है। वर्तमान समय में देश के भीतर संवैधानिक व्यवस्था के तले सभी को समान न्याय मुहैया कराने की तो बात की जाती है, लेकिन जब समय पर न्याय उपलब्ध कराने की बात आती है, तो उस मामले में हमारी व्यवस्था काफ़ी पिछड़ी हुई दिखाई पड़ती है। समय से न्याय न मिलना, अपने-आपमें स्वयं किसी अन्याय से कम नहीं। इन सबके बावजूद न्याय का मंदिर सिर्फ़ वादी-प्रतिवादी की फाइलों के ढ़ेर से भरा पड़ा है और न्याय के लिए लोग सिर्फ़ तारीखों के इंतजार में अपना समय, धन और क्या कुछ नहीं गंवा देते। इसी बीच केरल के कोल्लम में देश की पहली 24×7 ऑनलाइन कोर्ट की व्यवस्था की है। इस प्रकार का नवाचारी क़दम कहीं न कहीं देश में न्यायिक प्रणाली को डिजिटल और आधुनिक बनाने की दिशा में एक नई क्रांति की शुरुआत है।

गौरतलब हो कि इस पहल का उद्घाटन 17 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बी.आर. गवई द्वारा किया गया था, जिन्होंने इसे न्याय की उपलब्धता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल लाखों भारतीयों को न्याय प्राप्त करने में मदद करेगी और सभी के लिए न्याय की संविधानिक प्रतिबद्धता को साकार करने में सहायक होगी। देखा जाए तो 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में सिर्फ़ संविधान में लिखें वाक्यों से लोगों के जीवन में बदलाव दृष्टिगोचर नहीं होगा। इसीलिए इस तरह के क़दम से देशवासियों को काफ़ी उम्मीद है और यह पहल न सिर्फ़ न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुलभ, कुशल और पारदर्शी बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से न्याय को व्यापक जनसमूह तक पहुंचाने का यह प्रयास, एक ऐसी सोच का प्रतीक है जो समाज के हर वर्ग को न्यायिक प्रक्रिया में समाहित करना चाहती है।

यह अदालत एक ऐसी प्रणाली के तहत काम करेगी, जहां वादियों और वकीलों को भौतिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। कहीं से भी, किसी भी समय, केवल एक ऑनलाइन प्रपत्र भरकर केस दर्ज किया जा सकता है। इस प्रणाली के तहत एक मजिस्ट्रेट और तीन कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है, जो पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करेंगे। डिजिटल माध्यम के जरिए यह सुविधा न्यायालयों के भारी दबाव को कम करने में सहायक होगी। खासकर उन मामलों के लिए, जिन्हें त्वरित निपटारे की आवश्यकता होती है।

आधुनिक तकनीक के माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया को आसान बनाना, एक ऐसी सोच को दर्शाता है जो सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय को व्यावहारिक रूप से साकार करने की ओर अग्रसर है। आज, न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या करोड़ों में है। ऐसी स्थिति में यह डिजिटल पहल न केवल लंबित मामलों के बोझ को कम करने में सहायक होगी, बल्कि समय और संसाधनों की भी बचत करेगी। एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह ऑनलाइन कोर्ट वादियों के लिए न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया को सहज और सरल बनाएगी। कई बार वादियों को न्यायालयों तक पहुंचने के लिए भौगोलिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए न्यायालय तक पहुंचना एक कठिन कार्य है। ऑनलाइन कोर्ट की यह पहल इन चुनौतियों को समाप्त कर, एक ऐसा मंच प्रदान करती है, जो सभी को समान अवसर देता है।

इसके अतिरिक्त, इस पहल से न्यायालयों में पारदर्शिता बढ़ेगी। डिजिटल माध्यम से संचालित प्रक्रिया रिकॉर्डिंग, डॉक्यूमेंटेशन और निगरानी के लिए बेहतर होगी, जिससे न केवल वादियों को भरोसा मिलेगा, बल्कि न्यायिक अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। यह कदम भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को रोकने में भी प्रभावी सिद्ध हो सकता है। इस पहल के तहत फिलहाल कोल्लम जिले की चार अदालतों में कार्यवाही शुरू की गई है, और अन्य जिलों में भी इसे लागू करने की योजना है। इसका उद्देश्य राज्य और देश के सभी हिस्सों में ऐसी ऑनलाइन अदालतों की स्थापना कर, एक समग्र डिजिटल न्यायिक प्रणाली विकसित करना है। यह पहल न्यायिक क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक ठोस कदम है, जो भारत की न्यायिक प्रणाली को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और कुशल बनाएगी।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(चिंतन-मनन)

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

विचार मंथन

अडानी, संभल और मणिपुर पर बुरी तरह से घिरी सरकार, विपक्ष लामबंद

(लेखक- सनत जैन)

शीतकालीन सत्र शुरू हुए 4 दिन का समय हो चुका है। विपक्ष ने अडानी समूह, संभल और मणिपुर पर काम रोको प्रस्ताव लाकर चर्चा कराने की मांग रखी है। चारों दिन दर्जनों की संख्या में काम रोको प्रस्ताव लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों द्वारा दोनों सदनों की आसंदी को देकर चर्चा कराने की मांग की गई है। दोंनो सदनों मैं विपक्ष की यह मांग सरकार और आसंदी द्वारा नहीं मानी गई। जिसके कारण बार-बार लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। काम रोको प्रस्ताव के माध्यम से यदि चर्चा शुरू होती है तो ऐसी स्थिति में मतदान तक की स्थिति आ सकती है। सरकार के लिए काम रोको प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा कराने से बड़ा खतरा हो सकता है। निश्चित रूप से सरकार यह जोखिम लेना नहीं चाहेगी। गौतम अडानी और उनके भतीजे के खिलाफ अमेरिका की कोर्ट में चार्जशीट दायर हुई है उसके बाद सारी दुनिया के देशों में अडानी समूह को लेकर चर्चा हो रही है। कई देशों ने अडानी के साथ हुए समझौतों को रद्द कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने अडानी समूह की रेटिंग घटा दी है। शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। इसके चलते विपक्ष के हाथ में एक बड़ा मुद्दा लग गया है। इसी बीच संभल की जामा मस्जिद में जिस तरह का विवाद खड़ा किया गया। जिसके कारण वहां पर दंगा हो गया। पांच लोगों की मौत हो गई। यह मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अजमेर दरगाह शरीफ मामले में इसी तरह का विवाद सामने आ गया है। मणिपुर में 1 साल से अधिक का समय हो गया है। वहां हो रही हिंसा में अभी तक 300 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। हजारों नागरिक शरणार्थी शिवरों में रह रहे हैं। बहुत बड़ी संख्या में सुरक्षा बल को तैनात करने के बाद भी मणिपुर में शांति स्थापित नहीं हो पा रही है। इतने लंबे समय के बाद भी केंद्र सरकार इन विवादों का कोई वास्तविक हल नहीं निकाल सकी है। इन सभी मामलों को लेकर विपक्ष के तेवर बहुत कड़े हैं। सरकार को लगता था, महाराष्ट्र और हरियाणा का चुनाव जीत जाने के बाद विपक्ष कोमा में चला जाएगा। लेकिन विपक्ष कोमा में जाने के स्थान पर आक्रामक रूप से सरकार पर हमला कर रहा है। दोनों चुनाव में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, पक्षपात और चुनाव में जो गड़बड़ी हुई है। ईवीएम मशीन, मतदान का परसेंटेज बार-बार बढ़ाने तथा 99 फ़ीसदी बैटरी चार्ज रहने का मामला अब तूल पकड़ गया है। पूरा विपक्ष एकजुट हो गया है। विपक्ष अब ईवीएम के स्थान पर वैलट से चुनाव कराने के लिए एकजुट हो गया है। इसके लिए आंदोलन भी शुरू किया जा रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, अडानी का नाम लेते ही लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी और सरकार जिस तरह से भड़कती है। भाजपा अडानी के बचाव में खड़ी हो जाती है। उसको लेकर सभी को आश्चर्य हो रहा है। पिछले 7 दशक में बड़े-बड़े घोटाले और घपलों को लेकर सदन में हमेशा चर्चा होती रही है। सदन के अंदर टाटा-बिरला की सरकार नहीं चलेगी, के नारे 70 और 80 के दशक में हमेशा सदन के अंदर लगते रहे हैं। जनसंघ और भाजपा इसी तरह के नारे सदन के अंदर लगाती रही है। सदन के अंदर सदस्यों को कभी बोलने से नहीं रोका गया। यदि सदस्यों द्वारा कुछ ऐसी बातें कही गई हैं। जो सदन के रिकॉर्ड में रखना सही नहीं होता था, उसे रिकॉर्ड से हटा दिया जाता था। उस समय सदस्य से बोलने के पहले सदन के अंदर सबूत नहीं मांगे गए। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह के प्रतिबंध संसद सदस्यों पर लगाए जा रहे हैं वैसे प्रतिबंध तो, आपातकाल में भी नहीं लगाए गए थे। आपातकाल में समाचार पत्रों के लिए जो सेंसरशिप लागू की गई थी। उसमें भी इस तरह के प्रतिबंध नहीं थे, जैसा इन दोनों सदन के अंदर देखने को मिल रहे हैं। आसंदी विपक्ष के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रही है, वह भी कल्पना से परे है। संसदीय परंपराओं में जब भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में तनातनी देखने को मिलती थी, उस समय लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों को बुलाकर गतिरोध को दूर करने का प्रयास करते थे, लेकिन अब ऐसा लगता है, आसंदी सत्ता पक्ष के प्रतिनिधि के रूप में काम कर रही है।

जिसके कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में गतिरोध बढ़ता ही चला जा रहा है। चर्चाओं में यह भी कहा जा रहा है, सरकार चाहती है, सदन की कार्यवाही नहीं चले, इसी तरह का गतिरोध बना रहेगा। शीतकालीन सत्र हो हल्ले में निपट जाएगा। सरकार को विपक्ष के सवालों का जवाब भी नही देना पड़ेगा। जो जरूरी संसदीय कार्य हैं। आसन्दी की मदद से सरकार मंजूर करा लेती थी, वैसे ही इस बार भी करा लेगी। जिस तरह की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। उसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि शीतकालीन सत्र समय के पहले समाप्त हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कामधेनु लिमिटेड मध्य प्रदेश में करेगी अपनी उपस्थिति को और मज़बूत

भोपाल । भारत की सबसे बड़ी निर्माता और रिटेल में ब्रांडेड टीएमटी बार की विक्रेता, कामधेनु लिमिटेड ने घोषणा की है की कंपनी ने मध्य प्रदेश में अपने प्रीमियम ब्रांडेड टीएमटी बार 'कामधेनु नेक्स्टकी मांग में जबरदस्त वृद्धि देखी। इस मांग को पूरा करने के लिए कामधेनु ने अपने अगली पीढ़ी के हाई-एंड इंटरलॉक स्टील टीएमटी बार 'कामधेनु नेक्स्टकी उत्पादन क्षमता को और बढाकर 04 लाख मैट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, कामधेनु ने अपने चैनल पार्टनर नेटवर्क को भी और मज़बूत करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी की विकास यात्रा और योजनाओं पर टिप्पणी करते हुए, कामधेनु लिमिटेड के निदेशक श्री सुनील अग्रवाल ने कहा, हम मध्य प्रदेश में अपने प्रीमियम टीएमटी बार, 'कामधेनु नेक्स्टकी बढ़ती मांग को देखकर बेहद खुश हैं। यह वृद्धि हमारे उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में बाजार के विश्वास को दर्शाता है। हमारी उत्पादन क्षमता और चैनल पार्टनर नेटवर्क का विस्तार हमारे ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। कामधेनु लिमिटेड नवाचार और ग्राहक संतुष्टि के लिए समर्पित है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस के साथ की

मुंबई , एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) और भारत की लीडिंग प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में शामिल भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस ने आज एक रणनीतिक बैंकाश्योरेंस साझेदारी करने की घोषणा की है। भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस, भारती लाइफ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (भारती ग्रुप) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इस साझेदारी का उद्देश्य एयू एसएफबी के ग्राहकों को व्यापक रूप से लाइफ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) और वित्तीय सुरक्षा के विकल्प प्रदान करना है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और डिप्टी सीईओ, उत्तम टिबरेवाल और भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, पराग राजा ने आज मुंबई में एक कार्यक्रम में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए और इस रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह गठबंधन दोनों संस्थाओं की व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है जिसके अंतर्गत विकसित भारत और सभी के लिए इंश्योरेंस उनके लक्ष्य हैं। इस गठबंधन का उद्देश्य लोगों के बीच इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ाना, उनकी जरूरतों के अनुसार इंश्योरेंस प्रोडक्ट तैयार करना, इसके लिए प्रमुख बाजारों की पहचान कर वहां तक पहुंचना और बैंकाश्योरेंस और डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन सहित, डिस्ट्रीब्यूशन के साथ रणनीतिक साझेदारी का पता लगाना है। इस साझेदारी के बाद एयू एसएफबी के ग्राहकों को तत्काल प्रभाव से, भारती एक्सा के लाइफ इंश्योरेंस और वित्तीय सुरक्षा समाधानों के व्यापक सेट तक पहुंच हासिल होगी, जिसमें लाइफ इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस, यूलिप योजनाएं, बचत योजनाएं, चाइल्ड एजुकेशन प्लान (बाल शिक्षा योजनाएं) और रिटायरमेंट प्लान शामिल हैं। इस रणनीतिक साझेदारी से दक्षिण भारत में एयू एसएफबी की पेशकश में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। एयू एसएफबी को वित्तीय समाधानों, सरल व अधिक कारगर सेवाओं और व्यक्तिगत आधार पर जरूरतों के अनुसार सपोर्ट की एक बड़ी रेंज के साथ ग्राहकों के लिए पूरी तरह से एक इकोसिस्टम बनाने के लिए भारती एक्सा लाइफ के डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो का लाभ मिलेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस के लिए अपने हालिया आवेदन के बाद, एयू एसएफबी रणनीतिक रूप से अलग अलग सेगमेंट में फैले हुए अपने एक करोड़ से अधिक के कस्टमर बेस (ग्राहक आधार) को अत्याधुनिक, टेक्नोलॉजी संचालित इंश्योरेंस के विकल्प प्रदान करने के लिए अपने बैंकाश्योरेंस पोर्टफोलियो को बढ़ा रहा है।

मस्क के लिए भारत पर दबाव बना सकता है अमेरिका !

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क इस समय अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे करीबी बने हुए हैं। उन्हें ट्रंप प्रशासन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी मिल चुकी है। मस्क की नजर इस समय भारत के मार्केट पर है। इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट भी शामिल है।

हालांकि मस्क भारत में ईवी को लेकर कितने एग्रेसिव हैं, इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं पता। लेकिन उनके हालिया व्यवहार को देखकर लगता है कि वह शायद ही भारत में एंट्री करें। लेकिन ट्रंप का साथ मिलने पर कुछ भी संभव है। अगर मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में प्रवेश करती है तो इसे महिंद्रा और टाटा जैसे ब्रांड से कड़ी टक्कर मिलेगी।

इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार इलेक्ट्रिक व्हीकल के मामले में मस्क भारतीय मार्केट से बहुत ज्यादा खुश नहीं हैं। इसका कारण हैं भारत में ईवी को लेकर नीतियां। मस्क ने वादा किया था कि वह भारत में 497 मिलियन डॉलर (करीब 41.5 अरब रुपये) निवेश करेंगे। इस रकम का इस्तेमाल भारत में तीन साल में नए कारखाने खोले जाएंगे जहां ईवी का प्रोडक्शन होगा।

उस समय भारत ने ईवी नीति में बदलाव किया था। इसमें विदेशी कार निर्माताओं से ईवी पर आयात करों को कम किया गया था। इसके बाद एलन मस्क ने इस साल अप्रैल में भारत आने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बारे में कहा था। हालांकि बाद में उन्होंने कंपनी में दबावपूर्ण मुद्दों का हवाला देते हुए भारत की अपनी यात्रा कैंसिल कर दी थी।

भारत में प्रवेश को लेकर मस्क बहुत ज्यादा उत्सुक नजर नहीं आ रहे हैं। भारत में ईवी परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है जो टेस्ला के लिए कम आकर्षक होता जा रहा है। वहीं भारत को उम्मीद नहीं है कि टेस्ला इंक. जल्द ही देश में निवेश के साथ आगे बढ़ेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि मस्क की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला के अधिकारियों ने उनसे संपर्क करना बंद कर दिया है।

भारत में मस्क की रुचि में कमी तब आई जब टेस्ला ने वैश्विक स्तर पर तिमाही डिलीवरी में लगातार दूसरी बार गिरावट दर्ज की। साथ ही चीन में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना किया।

टेस्ला ने भारत में एंट्री की अपनी योजना को लेकर कुछ नहीं कहा है। हालांकि ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद यह संभावना है कि अमेरिका भारत को टेस्ला को और रियायतें देने के लिए मजबूर करेगा।

मंदी के बावजूद बेहतर प्रदर्शन

टेस्ला भारत में आएगी या नहीं, यह बाद का विषय है। लेकिन अभी भारतीय ईवी निर्माता बाजार में मंदी के बावजूद अपना इसे आगे बढ़ा रहे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने हाल ही में बॉर्न इलेक्ट्रिक रेंज पेश की थी। चर्चा है कि महिंद्रा टेस्ला और किआ को टक्कर देने के लिए ऑस्ट्रेलिया में अपने नए मॉडल लॉन्च कर सकती है।

भारतीय कंपनियां हैं पूरी तरह तैयार

भारत में छोटी और मध्यम आकार की इलेक्ट्रिक कारों की तेजी से बढ़ती और बेहतर होती रेंज के साथ टेस्ला जैसे नए प्रवेशकों को भीड़ भरे बाजार का सामना करना पड़ेगा। लेकिन भारतीय ईवी निर्माता पहले से ही टेस्ला और भारत में प्रवेश की योजना बना रही अन्य बड़ी कंपनियों से चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं।

लूट सको तो लूट लो, फ्लाइट की टिकट से लेकर स्मार्टफोन तक सब मिल रहा है सस्ते में

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार ब्लैक फ्राइडे है। ऐसा दिन जब बहुत सारी चीजें सस्ती मिल रही हैं। यह डिस्काउंट कंपनियों की ओर से दिया जा रहा है। इसमें फ्लाइट की टिकट से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक शामिल है। आपको आईफोन भी सस्ते में खरीदने का मौका मिल रहा है। कई कंपनियां 50 फीसदी से ज्यादा डिस्काउंट दे रही हैं। पहले जानते हैं कि आखिर यह ब्लैक फ्राइडे सेल है क्या और इस दिन चीजें क्यों सस्ती हो जाती हैं। दरअसल, ब्लैक फ्राइडे सेल थैंक्सगिविंग डे के अगले दिन से शुरू होती है। थैंक्सगिविंग डे हर साल नवंबर महीने के आखिरी गुरुवार को मनाया जाता है। इसके अगले दिन यानी शुक्रवार से ब्लैक फ्राइडे सेल अगले शुरू होती है। यह सेल दुनियाभर में शुरू होती है। कह सकते हैं कि इस दिन से क्रिसमस की शॉपिंग शुरू हो जाती है। इस सेल की शुरुआत 1960 के दशक में अमेरिका में हुई थी। लेकिन अब यह लगभग पूरी दुनिया में फैल चुकी है।

आईआरसीटीसी ने भी ब्लैक फ्राइडे सेल शुरू की है। अगर आप आईआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप से फ्लाइट की टिकट बुक कराते हैं तो आपको भारी डिस्काउंट मिलेगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बुकिंग पर कन्वीनियंस फीस पूरी तरह माफ होगी। इससे यात्री अपनी यात्राएं सस्ते में प्लान कर सकते हैं। यह ऑफर सिर्फ एक दिन यानी आज के लिए है।

ई-कॉमर्स पर भारी छूट

अगर आप फ्लिपकार्ट या अमेजन से शॉपिंग कर रहे हैं तो आपको भारी छूट मिलेगी। फ्लिपकार्ट पर ब्लैक फ्राइडे सेल सिर्फ आज यानी 29 नवंबर के लिए ही है। स्मार्टवॉच, ईयरबड्स, पावर बैंक जैसे स्मार्ट गैजेट 80 प्रतिशत तक की छूट पर उपलब्ध होंगे। वहीं टीवी और अप्लायंसेज पर कम से कम 75 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

दो भाइयों ने लगाया गजब का दिमाग, शुरू किया ऐसा काम जिसमें हींग लगे न फिटकरी रंग चोखा, 3 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषभ और रोहन सूरी सगे भाई हैं। वे केरल के रहने वाले हैं। इन्होंने खेती के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों से बायोडिग्रेडेबल बर्तन बनाने का स्टार्टअप शुरू किया है। इस स्टार्टअप का नाम कुदरत है। उनका मकसद प्लास्टिक और कागज के बर्तनों की जगह ऐसे बर्तन उपलब्ध कराना है जो जानवरों के लिए भी सुरक्षित हों। सर्फिंग करते समय समुद्र में फैले प्लास्टिक कचरे ने उन्हें यह काम करने के लिए प्रेरित किया।

इस बदलते मौसम में कैलिफोर्निया आमंड्स के साथ बनाइये अपनी इम्युनिटी को मजबूत

नई दिल्ली। मौसम में बदलाव के साथ इम्युनिटी अक्सर कमजोर हो जाती है और इसे मजबूत करने के लिये प्राकृतिक तरीके अपनाना जरूरी हो जाता है। न्यूट्रीशनिस्ट ऋतिका समद्दर आपके रोजाना के रूटीन में पोषक-तत्वों से भरपूर चीजें शामिल करने की सलाह दे रही हैं, ताकि आपकी इम्युनिटी असरदार तरीके से बढ़ सके। ऐसा ही एक सुपरफूड है कैलिफोर्निया आमंड्स, जिनमें 15 जरूरी पोषक-तत्व होते हैं। बादाम के कई तरह से उपयोग किया जा सकता है और इसे खाकर पेट भरे होने का अहसास होता है। यह किसी भी व्यंजन, स्नैक या आहार में आसानी से मिल जाती हैं और पोषण का पावरहाउस बन जाती हैं। कैलिफोर्निया आमंड्स में प्रोटीन, फाइबर और हेल्थी फैट्स जैसे पोषक-तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो उन्हें रोजाना के संतुलित आहार में शामिल करने के लिये बेहतरीन बनाते हैं। सेहत को उनसे मिलने वाले लाभों के बारे में व्यापक जानकारी है। फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) बादाम को प्राकृतिक रूप से इम्युनिटी बढ़ाने के लिये डाइट में आवश्यक रूप से शामिल करने पर जोर देती है। इसके अलावा, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) डाइटरी गाइडलाइंस फॉर इंडियन्स बादाम को एक पोषक नट मानती हैं, जिन्हें अच्छी सेहत के लिये रोजाना खाया जा सकता है।

बढ़ता कद: जिम रोजर्स बोले- दशकों बाद सही आर्थिक फैसले ले रहा भारत, विकसित राष्ट्र की ओर तेजी से बढ़ा रहा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक निवेशक 82 वर्षीय जिम रोजर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत दशकों बाद सही आर्थिक फैसले ले रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों में मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार में काफी सारे बड़े बदलाव आए हैं।

जिम रोजर्स ने कहा, भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कारण मैं दोबारा से यहां निवेश करना पसंद करूंगा। आप जानते हैं, कई दशकों से भारत ने बहुत सी अच्छी चीजों के बारे में बात की है, लेकिन उन अमल नहीं किया गया। मुझे कभी भी ऐसा नहीं लगा कि भारत ने अर्थशास्त्र को समझा है और आगे क्या करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अब मेरे जीवन में पहली बार लगता है कि भारत चीजों को समझ रहा है। इसका मतलब यह है कि चीजें आगे और बेहतर होने वाली हैं। भारत की अर्थव्यवस्था एक दशक में मजबूती से बढ़ी है। आजादी के बाद निवेश हुए 14 लाख करोड़ डॉलर में से 8 लाख करोड़ डॉलर बीते 10 वर्षों में आए हैं। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा भारतीय लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। एजेंसी

भारत की विकास दर जी20 में सबसे ज्यादा

रोजर्स ने कहा, भारत की विकास दर जी20 देशों में सर्वाधिक 7 फीसदी है। इसकी वजह देश में निजी उपभोग बढ़ना है। कई वर्षों के बाद भारत को यह अहसास हुआ है कि संपन्नता व सफलता खराब चीज नहीं है।

रतन टाटा की ख्वाहिश, मैं चाहूंगा...मुझे कुछ इस तरह याद रखे दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन इंडस्ट्री के लीजेंड और टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया है। हर कोई उनकी विजनरी लीडरशिप का कायल है। रतन टाटा की जिंदगी और उनकी कहीं बातें बहुत सारे लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। रतन टाटा की ख्वाहिशों में से एक यह थी, मेरी चाहत है कि मुझे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जाए, जिसने कभी दूसरों को आहत नहीं किया और हमेशा बिजनेस के सर्वोत्तम हित में काम किया है। रतन टाटा ने यह बात साल 2014 में कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के लेडीज स्टडी ग्रुप की तरफ से आयोजित एक इंटरैक्शन में कही थी। रतन टाटा ने फरवरी 2018 में सीएनबीसी पर सुहेल सेठ के साथ एक इंटरव्यू में कहा था, मैं चाहूंगा कि मुझे एक ऐसे शख्स के रूप में याद किया जाए, जो बदलाव लाया।

शेयर.मार्केट ने ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिस्काउंट ब्रोकिंग में शीट्स की शुरुआत की

9 शीट्स यूज़र के लिए ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बनाएगी और उन्हें सूचित निवेश निर्णय लेने में सक्षम बनाएगी

share.market
A PhonePe Product

बेंगलुरु, एजेंसी। फोनपे का प्रोडक्ट, शेयर.मार्केट ने आज शीट्स के लॉन्च की घोषणा की, जो डिस्काउंट ब्रोकिंग जगत में उद्योग की पहली पेशकश है । इससे बाजार हिस्सेदारियों को सशक्त बनाने और उनके ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। वेब प्लेटफॉर्म ह्लह्वस्रद्द.ह्यद्धड्डह्द.द्भड्डह्मद्गह्ल पर उपलब्ध, शीट्स बाजार डेटा को सीधे स्प्रेडशीट में आयात करके और अपने ट्रेडिंग मॉडल और रणनीतियों को सहजता से बनाकर ट्रेडर्स की मदद करता है। शेयर.मार्केट ने शीट्स के अभूतपूर्व लॉन्च के साथ उद्योग को फिर से परिभाषित किया है, तथा यह देश का एकमात्र डिस्काउंट ब्रोकर बन गया है जो यह अभिनव सुविधा प्रदान करता है। यह अत्याधुनिक टूल बाजार हिस्सेदार को आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ सशक्त बनाता है, जिससे उन्हें अपनी बुद्धिमत्ता का उपयोग करने और कार्रवाई योग्य बाजार को परख कर उसे उजागर करने में मदद मिलती है।

सीमित या बिना प्रोग्रामिंग बैकग्राउंड वाले ट्रेडर्स और निवेशक, विशिष्ट रणनीतियों और मानदंडों मिलाकर सैकड़ों स्टॉक को मैन्युअल रूप से मैनेज और विश्लेषण कर सकते हैं, जो ज्यादा समय लेने वाला और जटिल काम है। शीट्स इस चुनौती का समाधान करता है और ट्रेडर समुदाय को विकल्प रणनीति बनाने, खरीद और बिक्री संकेत तैयार करने और वास्तविक समय के आधार पर विचारधारा को प्रभावी ढंग से विश्लेषण करने में सक्षम बनाती है।

शीट्स के लॉन्च पर, शेयर.मार्केट के छ्वश्वह्र उज्ज्वल जैन जी का कहना हैं, कि शेयर.मार्केट लगातार बाजार हिस्सेदारियों के लिए ब्रोकिंग अनुभव को बेहतर बनाने और उन्हें सूचित निर्णय लेने के लिए बुद्धिमान बुनियादी ढांचे के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करता है। शीट्स डिस्काउंट ब्रोकिंग इकोसिस्टम में एक अनोखा टूल है, जो मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता के बिना कई स्टॉक पर नज़र रखने की प्रक्रिया को ऑटोमेट करेगा।। इससे ट्रेडर्स को जल्द निवेश रणनीति बनाने और एरर के जोखिम को कम कर पाएंगे। ये टूल्स बाजार के सिग्नल, प्रवृत्तियों और मूमेंटम परिवर्तनों की सटीक पहचान करने में सक्षम बनाते हैं। इन शक्तिशाली नई फीचर के साथ, शेयर.मार्केट ट्रेडर्स और निवेशकों को अपनी रणनीतियों को अनुकूलित करने में मदद कर रहा है, जिससे उन्हें स्मार्ट, मार्किट सिग्नल निर्णय लेने में वास्तव में महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। आने वाली तिमाहियों में, शीट्स उभरते और अनुभवी ट्रेडर्स दोनों के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उन्नत सुविधाएँ पेश करेगी। इनमें कस्टम स्ट्रेटेजी बिल्डर शामिल होगा जो ट्रेडर्स को लाभ और हानि की भविष्यवाणी करने, ब्रेक-ईवन पॉइंट निर्धारित करने और लाइव चार्ट देखने की अनुमति देगा। ट्रेडर्स को पूर्व-निर्मित रणनीतियों, जैसे कि कोंडोर्स, स्प्रेड्स, लैडर आदि तक भी पहुंच प्राप्त होगी, जिन्हें आसानी से उनके मौजूदा टेम्पलेट्स में एकीकृत किया जा सकता है और वे अपने निवेश कदमों की योजना बना सकते हैं।

शेयर.मार्केट ने पिछले वर्ष में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है, जिसका लाइफटाइम ग्राहक आधार 2.5 मिलियन है तथा मासिक एक्टिव म्यूचुअल फंड स्ध्क्क्लेनदेन 2 मिलियन से अधिक है। अगस्त 2024 तक, इसने 2 लाख एक्टिव निवेशकों को पार कर लिया, और खुद को भारत में 21वें सबसे बड़े ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित कर लिया।

ठंड की दस्तक पड़ी तो महंगे हो गए मसाले

नई दिल्ली, एजेंसी। ठंड की दस्तक पड़ गई है। ठंड में आमतौर पर साग-सब्जी सस्ती हो जाती है। लेकिन इस बार अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। अभी भी दिल्ली में गोभी का फूल 80 रुपये किलो तो गाजर 40 रुपये किलो, टमाटर 60 रुपये किलो, आलू 40 रुपये किलो प्याज 50 रुपये किलो बिक रहा है। कहा जाता है कि इस बार बारिश का मौसम देर तक चला। इसलिए सब्जियों की बुवाई समय पर नहीं हो पाई। इसलिए लोकल सब्जियां अभी तक बाजार में नहीं आई हैं। अब ठंड बढ़ने के साथ ही दिल्ली के थोक बाजार में मसालों के दाम चढ़ गए हैं।

खुले बाजार में गेहूं के दाम बढ़ने की वजह से इस समय अनब्रांडेड आटा, मैदा और ब्रेड आदि सब महंगे हो गए हैं। कुछ महीने पहले 700 ग्राम के ब्रेड या पावरोटी का जो लोफ 45 रुपये में मिला करता था उसकी कीमत पहले 55 रुपये हुई। अब पिछले दिनों ही चुपके से भी ब्रेड कंपनियों ने इसकी कीमत बढ़ा कर 60 रुपये कर दी।

महंगाई को हवा देने में अब मसाले भी पीछे नहीं हैं। राजधानी दिल्ली में मसालों के थोक बाजार खारी बावली में छोटी इलायची, बड़ी इलायची, काली मिर्च से लेकर अन्य मसालों की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के मुताबिक डिमांड की अपेक्षा सप्लाई कम है जिसकी वजह से मसाले के भाव बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि खारी बावली में मसालों की एक बड़ी मार्केट है, जहां सभी प्रकार के मसाले थोक दाम में बिकते हैं। दिल्ली से लेकर आसपास के प्रदेशों में यहां से मसालों की सप्लाई होती है।

नॉर्दर्न स्पाइसेज ट्रेडर्स असोसिएशन के प्रेजिडेंट रविंद्र अग्रवाल बताते हैं कि ठंड की दस्तक के बाद से मसालों की डिमांड बढ़ी है। आलम यह है कि बड़ी इलायची की कीमत थोक मंडी में 1500 रुपये प्रति किलो था जो अब 1700 रुपये प्रति किलो हो गया है। इसके अलावा छोटी इलायची की कीमत 2600 रुपये प्रति किलो थी, अब इसकी कीमत 3000 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसके पीछे का कारण क्रॉप की कमी है, जिसकी वजह से दाम बढ़ रहे हैं। वहीं काली मिर्च की कीमत में प्रति किलो 20 रुपये और दालचीनी की थोक कीमत में 5 से 10 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है।

रॉयल एनफील्ड गोअन क्लासिक 350: सत्तर के दशक की गोवा मोटो-संस्कृति से प्रेरित एक मोटरसाइकिल

मुंबई, एजेंसी। 70 और 80 के दशक की गोवा की अनोखी मोटो-संस्कृति से प्रेरित, रॉयल एनफील्ड ने गोअन क्लासिक 350 लॉन्च की है। यह बॉबर-स्टाइल मोटरसाइकिल आजादी, मस्ती और खुली सोच वाले लाइफस्टाइल की पहचान है। गोअन क्लासिक 350 सिर्फ एक बाइक नहीं, बल्कि खुद को अपने अंदाज में जताने का जरिया है। यह भारत की खास गोअन मोटो-संस्कृति से जुड़ी है, जिसने 70-80 के दशक में गोवा की आजाद और रंगीन लाइफस्टाइल को जन्म दिया। इसका दमदार फोर-स्ट्रोक इंजन और स्टाइलिश लुक इसे हर सफर के लिए परफेक्ट बनाते हैं। यह बाइक उन लोगों के लिए है जो हमेशा नई राहें खोजने और जिंदगी को अपने अंदाज में जीने की चाहत रखते हैं।

हर कर्व और कंटूर के साथ, गोअन क्लासिक गोवा के कस्टम बिल्डर्स की स्ट्रिप्ड-डाउन और 'ट्रिप्ड-अप' क्रिएशन से प्रेरित है, जो बॉबर और गोवा की जिंदादिल लाइफस्टाइल के जोश का संगम है। चॉप्ड फेंडर्स, मिड-एप हैंडलबार्स, एर्गोनॉमिक रूप फिट की गई लो-स्लंग सीटें और रियर सिलहॉटे उन दिनों की याद दिलाती हैं जब राइडर्स अपनी मशीनों को केवल ज़रूरी चीज़ों तक सीमित कर देते थे और उनमें उनका व्यक्तित्व नजर आता था। इंजन का हर रेव गोवा के सुनहरे ग्रूव की भावना के साथ गूंजता है, ठीक वैसे ही जैसे सूरज की किरणों से भीगे दिन आपको हर पल का आनंद लेने के लिए प्रेरित करते हैं। सच्चे बॉबर-प्रेरित डीएनए के साथ, मोटरसाइकिल की विशेषता सिंगल-सीट डिज़ाइन, फ्लोटिंग राइडर सीट और ट्यूबलेस स्पोक व्हील्स पर व्हाइटवॉल टायर हैं जो बॉबर संस्कृति के जाने-माने कस्टमाइज़ेशन को दर्शाते हैं।

नई गोअन क्लासिक 350 के बारे में बात करते हुए, आयशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, सिद्धार्थ लाल ने कहा, गोअन क्लासिक स्वतंत्रता और व्यक्तित्व की भावना के लिए एक हार्दिक सम्मान है, जिसका रॉयल एनफील्ड ने दशकों से समर्थन किया है। मेरे लिए, यह मोटरसाइकिल गोवा की मोटो-संस्कृति और रॉयल एनफील्ड के जुनून का प्रतीक है, जो ऐसी मोटरसाइकिलें बनाने के लिए है जो सिर्फ मशीन से कहीं ज़्यादा हैं और यह आत्म-खोज और अभिव्यक्ति का एक साधन हैं। यह मोटरसाइकिल न केवल गोवा की सड़कों पर घर जैसा महसूस कराती है, बल्कि हर जगह जिंदादिल और बेफिक्र राइडर्स के लिए गोवा का खुशनुमा एवं आरामदायक अहसास लाती है। नई मोटरसाइकिल के बारे में बात करते हुए, रॉयल एनफील्ड के सीईओ बी गोविंदराजन ने कहा, कस्टम बॉबर संस्कृति में निहित, गोअन क्लासिक डिजाइन और आधुनिक इंजीनियरिंग का एक सुंदर मिश्रण है। लो-स्लंग सिलहॉटे और सिंगल फ्लोटिंग राइडर सीट, आकृति और एर्गोनॉमिक्स, और रंगों के चमकदार संयोजन से, गोअन क्लासिक में बहुत ही बोहेमियन और जिंदादिली का एहसास देने वाला वाइब है जो आरामदायक सवारी भी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल मंजूर ! लेकिन सामने रखीं अपनी शर्तें

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी का अधिकार पाकिस्तान के पास है। लेकिन अभी तक टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी नहीं हुआ है। वहीं, टूर्नामेंट कहां होगा इसको लेकर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। भारतीय टीम ने पहले ही पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया तो ऐसे में आईसीसी इस टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित करने पर विचार कर रही है। आईसीसी ने इसके लिए 29 नवंबर को एक बैठक भी की थी। हालांकि, उस बैठक में कुछ पाकिस्तानियों ने हाइब्रिड मॉडल पर आपत्ति जताई थी।

खबरों की मानें तो अब पीसीबी हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार है लेकिन उसने आईसीसी के सामने कुछ ऐसी शर्तें रखी हैं, जिन्हें आईसीसी मान भी सकती है। फाइनल फैसला क्या होगा यह अभी देखा जाना है। पीसीबी चाहता है कि इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच लाहौर में हो। इसे बैकअप के तौर पर रखना चाहिए। अगर भारतीय टीम फाइनल में नहीं पहुंचती है तो इस टूर्नामेंट का फाइनल लाहौर में ही कराया जाना चाहिए।

पीसीबी ने यह भी कहा कि अगर भारत भविष्य में कोई आईसीसी टूर्नामेंट आयोजित करता है तो वह टूर्नामेंट भी हाइब्रिड मॉडल पर होना चाहिए। पाकिस्तान अपने मैच भारत में नहीं खेलेगा। पीसीबी ने साफ कहा है कि जब पाकिस्तान भारत आकर नहीं खेल सकता तो पाकिस्तान टीम भी भारत जाकर नहीं खेलेगी। यह प्रतियोगिता 19 फरवरी से 9 मार्च तक आयोजित होने की उम्मीद है। 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद से भारत ने पाकिस्तान में क्रिकेट नहीं खेला है। 2017 के बाद पहली बार चैंपियंस ट्रॉफी आईसीसी कैलेंडर में लौट रही है। पाकिस्तान ने 2017 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। वहीं, भारतीय टीम 2013 के बाद से चैंपियंस ट्रॉफी नहीं जीत पाई है।

आईसीसी के समझाने के बाद भी पीसीबी बैठक में नहीं मानी। आईसीसी के सदस्य पीसीबी को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी का मजा नहीं आएगा। सबसे बड़ी बात तो ये है कि अगर दोनों देशों के बीच मैच नहीं हुआ तो बड़ा नुकसान झेलना पड़ सकता है। हालांकि आज जो खबरें आ रही हैं उससे लग रहा है कि टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित किया जाएगा।

भारत के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में आग उगलने को तैयार ये ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज

मुंबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आगामी एडिलेड टेस्ट में हिस्सा लेने पर कहा कि वे अच्छी स्थिति में हैं। 6 दिसंबर से शुरू होने वाले एडिलेड टेस्ट में जोश हेजलवुड की जगह लेने के लिए बोलैंड पसंदीदा खिलाड़ी हैं। बोलैंड वर्तमान में कैनबरा में हैं, जहां भारत के खिलाफ पीएम एकादश का दो दिवसीय अभ्यास मैच होना है। बोलैंड ने माना कि उन्होंने सीजन में ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है, हालांकि, अब उनका शरीर अच्छा महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि डे-नाइट एडिलेड टेस्ट से पहले सामान्य तैयारी होगी। जाहिर तौर पर मैंने सीजन की शुरुआत में बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने इतना क्रिकेट खेला है कि मुझे लगता है कि मैं वास्तव में अच्छी स्थिति में हूं। मेरा शरीर अब वास्तव में अच्छा महसूस कर रहा है। कुछ हल्की-फुल्की चोटें थीं, लेकिन घुटने और पैर वास्तव में अच्छे लग रहे हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि गेंद कैसे बाहर आ रही है।

पर्थ टेस्ट में भारत से 295 रन की हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने पुष्टि की कि उनकी टीम के चेंजिंग रूम में कोई पैनिक स्टेशन नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे चेंजिंग रूम में निश्चित रूप से घबराहट की कोई स्थिति नहीं है। जाहिर तौर पर व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में कुछ बातचीत होगी और हर कोई अपने द्वारा खेले जाने वाले प्रत्येक खेल में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है। बता दें कि न्यूजीलैंड से 3-0 से टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद भारतीय टीम पर्थ में पहली पारी में महज 150 रन पर आउट होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराने में कामयाब रही थी।

टीम इंडिया की नई वनडे जर्सी लॉन्च, हरमनप्रीत कौन को आई पसंद

-22 दिसंबर से बड़ौदा में होने वाली वनडे सीरीज में टीम पहनेगी नई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मुंबई में बीसीसीआई दफ्तर में टीम इंडिया की नई वनडे जर्सी का अनावरण किया। इंडिया टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 22 दिसंबर से बड़ौदा में होने वाली वनडे सीरीज में नई जर्सी पहनेगी। हरमनप्रीत ने एक वीडियो में कहा कि आज जर्सी का अनावरण करना सम्मान की बात है और मुझे वास्तव में खुशी है कि आप जानते हैं, हम पहले व्यक्ति हैं जो वेस्ट इंडीज टीम के खिलाफ इस जर्सी को पहनने जा रहे हैं। जर्सी का लुक पसंद आया। यह वास्तव में सुंदर है हमें एक विशेष वनडे जर्सी मिली है।

टीम इंडिया 15 दिसंबर से शुरू होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज और आयरलैंड की मेजबानी करेगा। इसके बाद नवी मुंबई और वडोदरा में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वन-डे और इतने ही टी20 मैच खेलेगा। जनवरी में राजकोट में आयरलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज होगी। टीम इंडिया 15, 17 और 19 दिसंबर को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाने वाले तीन टी20 मैचों में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा, जिसके बाद 22, 24 और 27 दिसंबर को वडोदरा में तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इंडिया 10, 12 और 15 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में तीन वनडे मैचों की सीरीज आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। ये दोनों वनडे सीरीज आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगी, जो भारत में अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन प्लेटफॉर्म है।

टीम इंडिया का प्रैक्टिस मैच बारिश की भेंट चढ़ा, अब रविवार को होगा वनडे मैच

कैनबरा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ शनिवार को मनुका ओवल में भारत के 2 दिवसीय दौरे के मैच का शुरुआती दिन बारिश के कारण रद्द हो गया। अब सिर्फ एक दिन बचा है तो ऐसे में प्रबंधन ने वनडे मैच करवाने का फैसला लिया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाऊंट पर इसकी पुष्टि की। बीसीसीआई ने लिखा- अपडेटः प्रधानमंत्री एकादश बनाम भारत - मनुका ओवल। पहले दिन का खेल रद्द कर दिया गया है और कल (रविवार) सुबह 9ः10 बजे फिर से शुरू होगा। टॉस 8ः40 बजे होगा। टीमें 50 ओवर खेलने के लिए सहमत हो गई हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर को एडिलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले लगातार बारिश के कारण गुलाबी गेंद वाले टूर मैच के पहले दिन का खेल रद्द कर दिया गया। सुबह करीब 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक (स्थानीय समयानुसार) लगातार बूंदाबांदी से खेल की उम्मीद कम रह गई थी। बारिश के कारण पूरे कवर को हटाया ही नहीं जा सका। भारतीय टीम ने थोड़े समय के लिए मैदान का दौरा किया लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए उनके पास रुकने का कोई कारण नहीं था।

हालांकि दिन के अंत में बारिश में थोड़ी राहत मिलने से गतिविधियां शुरू हो गईं। अंपायरों ने टीम के सहयोगी स्टाफ को जानकारी दी। हालांकि, ग्राउंड स्टाफ ने अंततः कवर बहाल कर दिए और आगे कोई कार्रवाई नहीं करने का संकेत देते हुए शाम 6ः30 बजे चले गए। शाम 7 बजे भारी बारिश फिर से शुरू हुई, जिससे आधिकारिक तौर पर खेल की कोई संभावना नहीं रही।

बता दें कि गुलाबी गेंद टेस्ट से पहले भारतीय टीम के पास दिन-रात टेस्ट के लिए मैच की स्थिति के अनुकूल होने का रविवार को आखिरी मौका होगा। दूसरे टेस्ट के लिए रोहित शर्मा की उपलब्धता भारत के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन रही है, जबकि ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बिना होगा, जिन्होंने 2020 में एडिलेड में भारत के कुख्यात 36 ऑल-आउट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मनु इसलिए नेशनल चैंपियनशिप में नहीं खेलेंगी : राणा

नई दिल्ली।ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने एक बार फिर अभ्यास शुरु कर दिया है पर वह अगले महीने होने वाली नेशनल चैंपियनशिप में भाग नहीं खेलेंगी। मनु ने पिछले माह अक्टूबर में दिल्ली में हुए आईएसएसएफ निशाने विश्वकप में भी फाइनल से भी अपना नाम वापस ले लिया था। इस प्रकार ये दूसरा टूर्नामेंट है जिसमें वह नजर नहीं आयेंगी।। मनु के कोच जसपाल राणा के अनुसार मनु ने अभी पर्याप्त अभ्यास नहीं किया है, इसलिए वह किसी बड़े टूर्नामेंट में नहीं उतरना चाहती हैं। वह अभी अपनी ग्रिप को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रही हैं। कोच ने कहा कि हम फिलहाल मनु भाकर की ग्रिप को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जिस कारण हमने यूरोपीय दौरे का फैसला पहले ही कर लिया था। ऐसे कई पक्ष है जिसपर हमें ध्यान देना है। जिससे वह आने वाले समय में और बेहतर निशानेबाज के तौर पर उभरेंगी।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में ऑस्ट्रेलिया को साउथ अफ्रीका ने एक पायदान नीचे धकेला, टीम इंडिया अभी भी नंबर 1

नई दिल्ली।वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट टेबल में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को बड़ा नुकसान हुआ है। साउथ अफ्रीका ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को पहले टेस्ट मैच में 233 रन से बड़े अंतर से हरा दिया। इस मैच में बेहतरीन ऑलराउंडर प्रदर्शन करने वाले मार्को यानसेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में ऑस्ट्रेलिया को नीचे धकेल दिया और दूसरे नंबर पर पहुंच गई। साउथ अफ्रीका की इस जीत से भारत को कोई फर्क नहीं पड़ा और अब भी पहले नंबर पर है। डरबन टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका को मिली जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम को बड़ी निराशा मिली और ये टीम WTC अंकतालिका में तीसरे स्थान पर आ गई। इससे पहले कंगारू टीम दूसरे स्थान पर मौजूद थी। भारत के खिलाप दूसरे टेस्ट मैच से पहले ये ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छी खबर बिल्कुल भी नहीं है। साउथ अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी के 223-25 साइकल में अब तक 9 मैच खेले हैं जिसमें उसे 5 में जीत मिली है जबकि 3 मैचों में हार मिली है और 1 मैच ड्रॉ रहा है। इस टीम की जीत का प्रतिशत अब 59.260 है। भारत की बात करें तो इस टीम ने 15 मैचों में 9 मैच जीते हैं जबकि 5 मैच गंवाए हैं और एक मैच ड्रॉ खेला है। भारत की जीत का प्रतिशत अभी 61.110 है और वो अब भी पहले नंबर पर बरकरार है। वहीं कंगारू टीम ने 13 में से 8 मैच जीते हैं और 4 में उनसे हार मिली है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है और इस टीम की जीत का प्रतिशत 57.690 है। अंकतालिका में इंग्लैंड की टीम चौथे नंबर पर है जबकि श्रीलंका की टीम 5वें नंबर पर है। वहीं पाकिस्तान 7वें नंबर पर है।

सैयद मोदी बैडमिंटन: सिंधु एकल तथा क्रैस्टो-कपिला मिश्रित युगल के फाइनल में

लखनऊ (एजेंसी)। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां हमवतन उन्नति हुड्डा को सीधे गेम में हराकर सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिंधु ने महिला एकल के पहले सेमीफाइनल में उन्नति को केवल 36 मिनट में 21-12, 21-9 से हरा दिया। सिंधु का अगला मुकाबला थाईलैंड की लालिनराट चाइवान और चीन की लुओ यू वू के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। इससे पहले तनीषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने चीन की झी होंग झोउ और जिया यी यांग की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 42 मिनट तक चले सेमीफाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 21-16, 21-15 से हराया। उनका अगला मुकाबला चीन की पिन यी लियाओ और के शिन हुआंग तथा थाईलैंड की डेचापोल पुवारानुक्रोह और सुपिसरा पेवसम्प्रान की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

रोहित की वापसी के बाद भी राहुल ही करें पारी की शुरुआत : पुजारा

कैनबरा।बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा की वापसी के बाद भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडीलेड में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में केएल राहुल ही यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करें। रोहित के पहले टेस्ट में नहीं होने के कारण राहुल ने यशस्वी के साथ पारी शुरु की थी। इस जोड़ी का प्रदर्शन अच्छा रहा था। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों में जबरदस्त बल्लेबाजी करने वाले पुजारा का मानना ??है कि सीरीज के पहले मैच में 295 रन की जीत के बाद सलामी जोड़ी में कोई बदलाव नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा कि यशस्वी ने पहली पारी में शानदार शतक लगाया। वहीं राहुल ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए पर्थ में दो पारियों में 26 और 77 रन बनाए। पुजारा ने कहा, मुझे लगता है कि अगर हम इसी बल्लेबाजी क्रम को जारी रख सकते हैं तो रोहित तीसरे नंबर पर आ सकते हैं और शुभमन पांचवें नंबर पर आ सकते हैं। अगर रोहित शुरु करना चाहते हैं, तो राहुल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। उसके बाद कुछ नहीं। मुझे लगता है कि उन्हें शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करनी चाहिए, क्योंकि यह उनके खेल के लिए बहुत अच्छा है। मुझे उम्मीद है कि इसमें बदलाव नहीं होगा। वहीं पुजारा ने कहा, आदर्श रूप से शुभमन के लिए 5 वां स्थान अच्छा है इससे उन्हें एक समय में आने का मौका मिलता है, भले ही हम दो विकेट जल्दी खो दें, वह ऐसा खिलाड़ी है जो नई गेंद से निपट सकता है। लेकिन अगर वह 25 या 30 ओवर के बाद आता है, तो वह अपने शॉट खेल सकता है। वह अपना स्वाभाविक खेल खेल सकता है। उन्होंने कहा, अगर हम पहले तीन विकेट जल्दी खो देते हैं, तो शुभमन आता है और पुरानी गेंद के लिए ऋषभ पंत को बचाता है। पंत को नई गेंद का सामना नहीं करना पड़ता है। पुजारा ने कहा, मैं नहीं चाहूंगा कि वह तब बल्लेबाजी के लिए आए जब गेंद सख्त और नई हो।

अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान ने भारत को हराया, पाकिस्तान के लिए शाहजेब ने जड़ा शतक

दुबई (एजेंसी)। अंडर-19 एशिया कप 2024 के एक मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को हरा दिया। पाकिस्तान के लिए ओपनर बल्लेबाज शाहजेब खान 159 रनों की पारी खेली। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम को 44 रनों से हार गयी। पाकिस्तान ने भारत को जीत के लिए 282 रनों का टारगेट दिया था, जिसका पीछा करते हुए उसकी पूरी टीम 48वें ओवर में 237 रनों पर सिमट गई। 282 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने शुरुआत से ही विकेट गंवाए। उसने चौथे ही ओवर में वैभव सूर्यवंशी का विकेट गंवा दिया, जो सिर्फ 1 रन बनाकर अली रजा की गेंद पर चलते बने। दूसरे ओपनर आयुष म्हात्रे भी खास नहीं कर पाए और 20 रन बनाकर अब्दुल सुभान का शिकार बने। भारतीय टीम के विकेट गिरने का सिलसिला लगातार जारी रहा। निखिल कुमार ही संघर्ष कर सके, जिन्होंने 77 गेंदों पर 60 रन बनाए। निखिल ने अपनी पारी में 6 चौके के अलावा तीन छक्के लगाए। पुछल्ले बल्लेबाज मोहम्मद एनान ने 30 रनों का योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से अली रजा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। जबकि अब्दुल सुभान और फरहान उल हक को दो-दो सफलता हाथ लगी। इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 281 रन बनाए। शाहजेब खान ने सबसे ज्यादा 159 रनों की पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और पांच चौके शामिल रहे। उस्मान खान ने 6 चौके की मदद से 94 गेंदों पर 60 रन बनाए। उस्मान खान और शाहजेब खान के बीच पहले विकेट के लिए 160 रनों की पार्टनरशिप हुई। मोहम्मद रियाजुल्लाह ने भी 27 रनों का अहम योगदान दिया। भारत की ओर से तेज गेंदबाज समर्थ नागराज ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। वहीं आयुष म्हात्रे को दो सफलता हासिल हुई। युद्धजीत गुहा और किरण चोरमले ने भी एक-एक चटकाया। भारतीय टीम ग्रुप-बी के अपने अगले मुकाबले में 2 दिसंबर (सोमवार) को जापान का सामना करेगी।

दक्षिण अफ्रीका दौरे में हो सकती है बाबर आजम सहित इन खिलाड़ियों की वापसी

लाहौर।पाकिस्तान क्रिकेट टीम के आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे में पूर्व कप्तान बाबर आजम, फखर जमां के अलावा तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह की वापसी हो सकती है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले कुछ दिनों में दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा करेगा। पाक टीम अपने इस दौर में तीन एकदिवसीय, तीन टी20द्ध और दो टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार फखर को पहले फिटनेस टेस्ट में असफल होने और घुटने की समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए बाहर कर दिया गया था पर अब वह फिट हो गये हैं। इसलिए उनके नाम पर विचार की पूरी संभावना है। '' वहीं चयनकर्ताओं ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को सुझाव दिया है कि केवल टेस्ट सीरीज के लिए चुने जाने वाले खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी के लिए ट्रेनिंग कैंप के लिए दक्षिण अफ्रीका भेजा जाए।卐 अभी पाकिस्तान की टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेल रही है। उन्होंने कहा कि बाबर के साथ-साथ शाहीन और नसीम को भी एकदिवसीय और टेस्ट टीम में शामिल किया जाये। इन्हें जिम्बाब्वे दौरे के लिए आराम दिया गया था। फखर को टी20 मुकाबालों के लिए भी बुलाया जा सकता है पर बाबर, शाहीन और नसीम को केवल तीन एकदिवसीय और दो टेस्ट में अवसर दिया जा सकता है।

हम 49 साल से विश्व कप में पदक नहीं जीत पाए, इसे जीतना चाहते हैं : हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी) नई दिल्ली ः भारत की पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पास दो ओलंपिक कांस्य पदक हैं, लेकिन उन्हें विश्व कप में पदक नहीं जीत पाने का मलाल है और वह इस कमी को 2026 में होने वाले टूर्नामेंट में पूरा करना चाहते हैं। भारत ने विश्व कप में अभी तक तीन पदक जीते हैं। उसने 1971 (बार्सिलोना) में कांस्य, 1973 में रजत (एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड) और अजीत पाल की अगुवाई में 1975 (कुआलालंपुर) में स्वर्ण पदक जीता था।

हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। पेरिस खेलों में वह टीम के कप्तान भी थे। वह 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ओलंपिक में स्वर्ण पदक और विश्व कप में पदक जीतना होगा। हमने पेरिस में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे पता चलता है कि हम किसी भी शीर्ष टीम का सामना करके जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा तात्कालिक लक्ष्य एफआईएच प्रो लीग के मैच हैं। हम एशिया कप में जीत दर्ज करते विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करना चाहते हैं। हमने लंबे समय से विश्व कप में पदक नहीं जीता है और मैं अपने करियर में इसे जीतना चाहता हूं।

हरमनप्रीत ने कहा कि उम्मीद है कि हम अपने करियर के दौरान उन सुनहरे दिनों को फिर से जी सकेंगे। जब तक हम इसे हासिल नहीं कर लेते, हम हार नहीं मानेंगे। जहां तक हरमनप्रीत के व्यक्तिगत लक्ष्य की बात है तो वह अपने ड्रैग-फ्लिक कौशल को बेहतर बनाना चाहते हैं और अपने करियर को लंबा करने के लिए फिट रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ड्रैग-फ्लिक दिन प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है और मेरा लक्ष्य अपने कौशल में लगातार सुधार करना और फिट बने रहना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

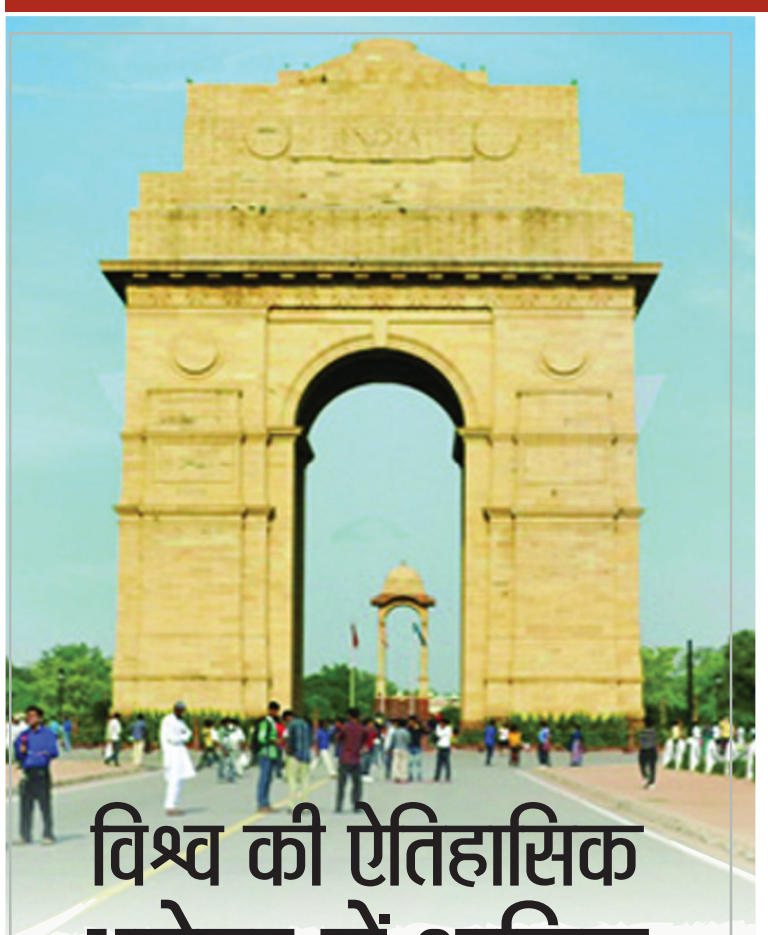

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।

एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।

मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।

मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?

मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।

सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?

मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?

सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?

मछली सोच में पड़ गई।

सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।

बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना।

मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।

रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।

सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?

चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?

बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।

किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी।

बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दद्यद्व शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है.

बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

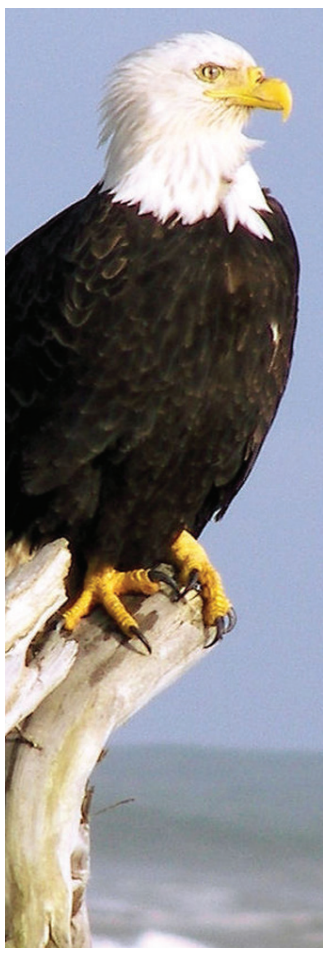

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ट बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशो में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है। इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैंट रेलवे स्टेशन की पार्किंग में लगी आग, 200 बाइक जलकर खाक

-बड़ा हादसा टला, शॉर्ट सर्किट मानी जा रही वजह, पुलिस जांच में जुटी

वाराणसी। वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन पर अचानक भीषण आग लग गई। जिसकी चपेट में आने से 200 बाइकें जलकर खाक हो गई। आग उस क्षेत्र में लगी, जहां रेलवे कर्मचारी अपने वाहन पार्क करते हैं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और जीआरपी-आरपीएफ ने आग पर काबू कर लिया जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के मुताबिक रेलवे स्टेशन पर खड़ी करीब 200 बाइक आग में जलकर खाक हो गई। घटना वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर स्थित जीआरपी के पीछे बने रेलवे के बाइक स्टैंड की है, जहां रेलवे कर्मचारी अपने वाहन खड़ा करते हैं। रेलवे पुलिस ने कुछ बाइक्स को जलने से बचा लिया। प्रत्याशिदर्शी रेलवे कर्मचारियों ने बताया कि रात करीब 10:30 बजे शॉर्ट सर्किट हुई थी, जिसे बनाने के लिए बिजली कर्मचारी आए भी थे, लेकिन फिर कुछ घंटे बाद दोबारा शॉर्ट सर्किट हो गई। इस कारण पेट्रोल भरी बाइक तक चिंगारी पहुंच गई और आग भड़क गई। अगर स्टेशन पर रेलवे का फायर सेक्शन होता तो यह घटना नहीं होती और घटना में बिजली विभाग की भी लापरवाही सामने आई है। वहीं, दूसरी तरफ जीआरपी के क्षेत्राधिकारी ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से करीब 200 बाइक जल गई है। घटना के पीछे फिलहाल कारण शॉर्ट सर्किट समझ में आ रहा है। आगे की जांच की जा रही है।

आतंकवादियों से कथित संबंध, जम्मू कश्मीर में दो सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दो सरकारी कर्मचारियों को आतंकवादियों से कथित संबंधों के कारण सेवा से बर्खास्त किया है। अधिकारियों के मुताबिक, इन कर्मचारियों की पहचान स्वास्थ्य विभाग के फार्मासिस्ट अब्दुल रहमान नाइका और स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक जहीर अब्बास के रूप में हुई है। राज्यभवन के अधिकारियों ने बताया कि इन दोनों को संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत बर्खास्त किया गया, जो कि एक विशेष प्रावधान है, जो राज्य के कर्मचारियों को उनके अपराधों के आधार पर सेवा से निष्कासित करने की अनुमति देता है। खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई जांच में इन दोनों के आतंकवाद से जुड़े संबंध स्पष्ट रूप से सामने आए थे। उपराज्यपाल सिन्हा ने पिछले कुछ वर्षों में इसी प्रावधान के तहत कई कर्मचारियों को बर्खास्त करने के आदेश दिए हैं।

महाकुंभ 2025 : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आस्था की नगरी में दिखेगा गौरव

- किन्नर अखाड़े ने किया गंगा तट पर भूमि पूजन

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश में भारतीय संस्कृति और आस्था के महापर्व महाकुंभ 2025 की तैयारियां चारों ओर दिख रही हैं। शुक्रवार को गंगा नदी के किनारे स्थित लोकप्रिय किन्नर अखाड़े महाकुंभ के लिए भूमि पूजन किया, जिससे साफ हो गया कि इस बार के कुंभ का तत्परता से आयोजन किया जा रहा है। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी ने कहा ?कि किन्नर अखाड़े की ओर से इस बार कुंभ का आयोजन एक नई धारा लेकर किया जा रहा है - प्लास्टिक-मुक्त कुंभ हम इस संकल्प के साथ काम कर रहे हैं कि भारत को स्वच्छता का प्रतीक बनाने में मदद मिले। महामंडलेश्वर आनंद गिरी ने बताया ?कि किन्नर अखाड़े को इस बार सबसे महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जिससे हमारा कुंभ प्रयागराज में और भी दिव्य और भव्य बनेगा। इस बार कि साज़ी-सजावट और समारोहों की प्रक्रिया बनाए रखने के लिए हम पत्तल का उपयोग करेंगे, जिससे पर्यावरण का भी ध्यान रखा जा सके। किन्नर अखाड़े में विदेशी और देशी किन्नरों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर, और अन्य एलजीबीटी व्यक्ति भी इस बार किन्नर अखाड़े के पवित्र क्षेत्र में शामिल होंगे। जिससे इस क्षेत्र को एक नया पहलू मिलेगा। किन्नर अखाड़े के संतों ने उठाई पत्तल से प्लास्टिक-मुक्त कुंभ की मुहिम, जिससे दिखा समाज में जागरूकता और हमारे पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में भारी महत्व दिया गया है। 13 जनवरी से प्रारंभ होने वाले कुंभ के संगीत, कार्यक्रम और पूजन की पूरी तैयारी भी चर्चित है। किन्नर अखाड़े ने जोरदार तैयारियों के साथ निरंतर भव्यता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए दिखाया कि महाकुंभ 2025 उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक अविस्मरणीय अनुभव होने वाला है।

एक्टर शरद कपूर पर युवती ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप

नई दिल्ली। कई फिल्मों में काम कर चुके बॉलीवुड के एक्टर शरद कपूर पर एक युवती पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती का आरोप है कि एक्टर ने उन्हें अपने ऑफिस के बहाने घर बुलाया और फिर रेप की कोशिश की। युवती ने इस मामले की शिकायत पुलिस को दी है, पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले पर अभी एक्टर की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है। पीड़ित युवती का आरोप है कि शरद कपूर के साथ वो फेसबुक के जरिए संपर्क में आई थीं। इसके बाद वीडियो कॉल के जरिए दोनों की बात हुई। शरद ने उनसे कहा कि वे शूटिंग के सिलसिले में बात करने के लिए उनसे मिलना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने फोन के जरिए अपनी लोकेशन भेजी और उसे खार स्थित दफ्तर आने को कहा। लेकिन वहां जाने पर पता लगा कि यह उनका दफ्तर नहीं, घर है। युवती का कहना है कि जब वह शरद के खार स्थित इमारत के तीसरी मंजिल वाले घर पर पहुंचीं तो शरद किचन से बेडरूम की तरफगए। कुछ देर बाद शरद ने आवाज देकर उसे भी बेडरूम में बुलाया। जब वो बेडरूम के दरवाजे पर गई तो उसने देखा कि शरद बिना कपड़ों के वहां बैठे हुए हैं और ऐसे में युवती ने उन्हें कपड़े पहनकर बात करने के लिए कहा। शरद ने युवती को बाहों में भरने की कोशिश की और पीछे से गलत तरीके से पकड़ा। ऐसे में युवती ने शरद को धक्का दिया और वहां से भाग निकलीं। युवती एक एक्टर और प्रोड्यूसर हैं। शरद कपूर की इन हरकतों के बाद उन्होंने पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है।

महज राष्ट्रीय मुद्दों के भरोसे किसी चुनाव को नहीं जीता जा सकता

-खड़गे ने स्टेट पार्टी यूनिट के जरिए राहुल गांधी को दिया मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक में कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्टेट पार्टी यूनिट को साफ कहा कि महज राष्ट्रीय नेता और राष्ट्रीय मुद्दों के भरोसे किसी चुनाव को नहीं जीता जा सकता है। इसके लिए जमीनी स्तर पर नेताओं को लोकल मुद्दों पर काम करना होगा। कांग्रेस पार्टी हरियाणा में जीत की बड़ी दावेदार होने के बावजूद भी चुनाव हार गई। महाराष्ट्र भी कांग्रेस समर्थित महाविकास अघाड़ी को हार का सामना करना पड़ा। खड़गे यह बात तो स्टेट पार्टी यूनिट से कर रहे थे लेकिन इसमें राहुल गांधी के लिए भी एक बड़ा मैसेज छुपा था।

लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन के बाद से राहुल फ्रंटफुट पर आ गए थे और राज्य चुनावों को लीड कर रहे थे। संविधान बचाओ और जातिगत जनगणना को तब बड़ा मुद्दा बनाया गया था। कांग्रेस को इसका फायदा मिला भी लेकिन चाहे हरियाणा, महाराष्ट्र हो या फिर जम्मू-कश्मीर और झारखंड, इन्हीं मुद्दों को फिर से बीजेपी को घेरने में लगी कांग्रेस को फायदा नहीं हुआ।

बीजेपी ने पिछली गलती से सीख लेते हुए होमवर्क कर राज्य चुनावों में उतरी। वहीं,

कांग्रेस राहुल गांधी और राष्ट्रीय मुद्दों के भरोसे लोकल चुनाव जीतने की जुगत में लगी रही। बीजेपी बार-बार राज्यों में हार को राहुल गांधी की हार के तौर पर प्रोजेक्ट करती रही है। उधर राहुल गांधी के लिए भी एक साफ संदेश है कि उन्हें राज्यों के लिए अलग रणनीति के साथ चुनाव में उतरना होगा।

हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार से आहत खड़गे ने कहा कि पार्टी को विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय मुद्दों के अलावा राज्य स्तर के मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा और लोगों के मूड को बदलना सीखना होगा। पार्टी राज्य चुनाव लड़ने के लिए कब तक राष्ट्रीय मुद्दों और राष्ट्रीय नेताओं पर निर्भर रहेगी। राज्य के मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हरियाणा में पार्टी के लिए सबसे बड़ी निराशा वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा के बीच की अंदरूनी कलह बताई जाती है।

खड़गे ने कहा कि हम चुनाव हार गए हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता बड़े मुद्दे हैं। जाति जनगणना भी आज एक मुद्दा है। संविधान, सामाजिक न्याय और सद्भाव जैसे मुद्दे लोगों के मुद्दे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम चुनावी राज्यों में स्थानीय मुद्दों को भूल जाएं। राज्यों के कई मुद्दों को समय रहते विस्तार से समझना और उनके इर्द-गिर्द एक ठोस अभियान रणनीति बनाना भी है। आप राष्ट्रीय मुद्दों और राष्ट्रीय नेताओं की मदद से राज्य के चुनाव कब तक लड़ेंगे?

भारत में बांग्लादेश का सबसे बड़ा घुसपैठिया अडानी है : संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने फिर केंद्र सरकार और कारोबारी गौतम अडानी पर निशाना साधा है। आप सांसद सिंह ने अडानी को लेकर विवादित टिप्पणी की है। संजय सिंह ने कहा, भारत में बांग्लादेश का सबसे बड़ा घुसपैठिया गौतम अडानी है। आप नेता सिंह ने कहा भारत में बांग्लादेश का सबसे बड़ा घुसपैठिया कोई है तब वह अडानी है। वह हिंदुस्तानियों की बिजली बांग्लादेशियों को बेच रहा है। बांग्लादेश से लगती हुई सीमा की सुरक्षा केंद्र सरकार के हवाले है, तब कोई बांग्लादेशी दिल्ली तक कैसे आया और कोई आया भी है, तब केंद्र उस बाहर क्यों नहीं निकाल रही है? सिंह ने मोदी सरकार पर हमला कर कहा कि बीजेपी अब भारतीय झूठा और झगड़ा पार्टी बन चुकी है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था और अपराध के खिलाफ आवाज उठा रहे, बीजेपी और अमित शाह अपराध को रोकने की बजाय केजरीवाल को रोकने का प्रयास कर रहे है। सिंह का यह बयान केंद्र सरकार की नीतियों और अडानी समूह के कारोबार को लेकर आलोचना के रूप में आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश को बिजली सप्लाई के नाम पर अडानी समूह भारत के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहा है।

बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग को लेकर एमएनएफ और मणिपुर सरकार के बीच खटपट

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जारी हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता के बीच मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग ने विवाद पैदा कर दिया है। यह मांग भाजपा के सहयोगी दल मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) ने उठाई, जिसके बाद मणिपुर सरकार ने एमएनएफ पर तीखे हमले किए, यहां तक कि उन्हें देशद्रोही और म्यांमार समर्थक बता दिया।

दरअसल मिजो नेशनल फ्रंट ने मणिपुर की हिंसा के मद्देनजर सीएम सिंह के इस्तीफे की मांग की। उनका आरोप है कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था बहाल करने और संकट का समाधान निकालने में विफल रही है। इस आरोप पर मणिपुर के सूचना और जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) ने एमएनएफ पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि वह देशद्रोही है और म्यांमार के शरणार्थियों का समर्थन करती है। बयान में एमएनएफ पर म्यांमार से अवैध घुसपैठ, हथियारों और ड्रग्स की तस्करी को बढ़ावा देने के आरोप लगाए गए। बात दें कि मणिपुर में संकट का बड़ा कारण म्यांमार से अवैध प्रवासियों का आगमन और ड्रग्स की तस्करी मानी जाती है। राज्य में लंबे समय से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष चल रहा है। एनएमएफ का बीरेन सिंह पर निशाना इस समुदायिक तनाव के बीच और अधिक उग्र हो गया है।

एमएनएफ भाजपा के साथ नॉर्थ-ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) का हिस्सा है, लेकिन मणिपुर सरकार पर उठाए गए सवालों ने दोनों दलों के रिश्तों में दरार पैदा कर दी है। यह विवाद भाजपा के लिए नॉर्थ-ईस्ट में राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने की चुनौती बन सकता है, खासकर 2024 के चुनावों के मद्देनजर। मणिपुर में हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता ने राज्य की स्थिति को और जटिल बना दिया है।

महाराष्ट्र में सरकार के गठन में देरी, एमवीए नेता शरद पवार और संजय राऊत ने कहा ये जनादेश का अपमान

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हुए 8 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक मुख्यमंत्री कौन बनेगा इस लेकर महायुति में फैसला नहीं हुआ है। इस अनिर्णय की स्थिति ने विपक्षी गठबंधन, महा विकास अघाड़ी के नेताओं को महायुति पर निशाना साधने का मौका दे दिया है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में जनादेश का सम्मान नहीं हो रहा, जो अच्छी बात नहीं है।

एनसीपी (एसपी) प्रमुख पवार ने कहा, दिलचस्प बात ये है कि इतना स्पष्ट बहुमत होने के बाद भी अभी तक सरकार नहीं बन सकी है। इससे साफ है कि जनता द्वारा दिया गया बंपर बहुमत उनके (महायुति) लिए कोई मायने नहीं रखता। जो कुछ भी चल रहा है वह महाराष्ट्र के लिए अच्छा नहीं है। ऐसा पहली बार हुआ है कि देश में हाल फिलहाल में जो चुनाव हुए हैं उससे लोगों में काफी बेचैनी है, लोगों में निराशा है। शरद पवार ने आरोप लगाया कि इस बार महाराष्ट्र चुनाव में सत्ता का दुरुपयोग और पैसे का इस्तेमाल बखूबी हुआ है। इसके चलते लोगों में बेचैनी बढ़ गई है। जब विपक्षी नेता संसद में इस मुद्दे पर सवाल

उठाते हैं, तब उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। हर दिन सुबह 11:00 बजे विपक्षी नेता संसद में अपनी बात रखने के लिए आकर कहते हैं कि उन्हें अपने मुद्दों पर बोलने दिया जाए। लेकिन उनकी मांगें नहीं मानी जाती हैं। अब जनता को खुद एक जन आंदोलन शुरू करना चाहिए।

बता दें कि सामाजिक कार्यकर्ता बाबा आढाव ने पुणे में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के खिलाफ एक आंदोलन शुरू किया है और चुनावों में इसके इस्तेमाल को धोखाधड़ी बताया है। 90 वर्षीय बाबा आढाव ने 28 नवंबर को प्रतिष्ठित समाज सुधारक ज्योतिबा फुले के निवास फुले वाडा में अपना 3 दिवसीय विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। इस विरोध के आखिरी शनिवार को शरद पवार उनसे मिलने पहुंचे।

इस मुलाकात के दौरान पवार ने कहा, सत्ता जिनके हाथों में है उन्हें इस बारे में कोई चिंता नहीं है। यह पूरे देश का प्रश्न है। संसद में विपक्ष के मुद्दों पर चर्चा नहीं हो रही और इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि संसदीय लोकतंत्र का ठीक से पालन नहीं हो रहा है। सच कहूं तब जनता जागरूक है और इसीलिए उसे खुद एक जनआंदोलन शुरू करना चाहिए। आज बाबा आढाव जो आंदोलन कर रहे हैं, यह वैसा ही एक जन आंदोलन है। मुझे विश्वास है कि यह जो आंदोलन है, उसका परिणाम आज नहीं तब कल जरूर दिखेगा।

इधर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन में हो रही देरी पर कहा, बीजेपी की क्या मजबूरी है। मोदी और शाह से सब डरते हैं। लेकिन 8 दिन बीत जाने के बाद भी सीएम क्यों नहीं बन रहा है? एकनाथ शिंदे अपने गांव जाकर बैठ गए हैं। शपथ ग्रहण कब होगा, किसी को जानकारी नहीं है। वहीं शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा, सीएम शिंदे को जब भी कुछ सोचना होता है, सोचने के लिए जब वक्त चाहिए होता है, तब वह अपने गांव जाते हैं। बड़ा निर्णय लेना होता है, शिंदे वह गांव जाते हैं।

विदेश मंत्रालय ने राहुल गांधी के बाइडेन और पीएम मोदी के याददाश्त कमजोर वाले बयान की निंदा की

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की याददाश्त कमजोर होने की टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राहुल गांधी के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण ''करार देकर कहा कि भारत और अमेरिका के बीच जो बहुआयामी साझेदारी है, वह कई वर्षों की मेहनत, आपसी सम्मान और दृढ़ता से बनी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने कहा, हम ऐसी टिप्पणियों को दुर्भाग्यपूर्ण मानते हैं। यह भारत और अमेरिका के मधुर और मैत्रीपूर्ण रिश्तों के अनुरूप नहीं है, और यह भारत सरकार के दृष्टिकोण को नहीं दिखाती है। राहुल गांधी ने 16 नवंबर को अमरावती में एक रैली के दौरान यह टिप्पणी की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''ऐसा लगता है कि बाइडन की तरह मोदी की भी याददाश्त कमजोर हो रही है।''

चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस नेता की विवादित टिप्पणी, कुत्ता भी वफादार होता

पटना (एजेंसी)। बिहार में कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने चुनाव आयोग को लेकर विवादित टिप्पणी की है। कांग्रेस नेता राठौड़ ने कहा है कि कुत्ता भी वफादार होता, भाई जगताप के ऐसा कहने से कुत्ते की बेइज्जती हो रही है। राजेश राठौड़ ने कहा, भाई जगताप के इस आरोप से कुत्ते की बेइज्जती हो जाएगी। उन्हें शब्दों के चयन में धोखा हो गया होगा। कुत्ता भी कुछ समझ कर काम करता है, हमें लगता है कि उनके बयान से कुत्ते जैसे वफादार पशु का अपमान हो रहा है।

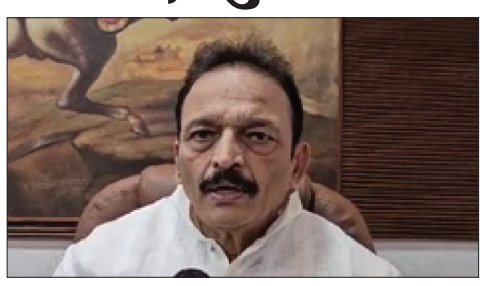

दरअसल महाराष्ट्र के विधान परिषद सदस्य भाई जगताप ने चुनाव आयोग को लेकर विवादित टिप्पणी करते हुए आयोग की तुलना कुत्ते से की थी। इस पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी के नेता इस असंसदीय भाषा करार देकर उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता राठौड़ ने इसकी अलग अंदाज में व्याख्या कर रहे हैं।

दरअसल भाई जगताप ने चुनाव आयोग पर विवादित टिप्पणी में कहा था, मैंने 45 से अधिक साल राजनीति में बिताए हैं और महाराष्ट्र में इस तरह के नतीजे नहीं आए हैं। इन्होंने ऐसा कुछ काम नहीं किया है। मैं पहले से कहता आया हूं कि आज नहीं तब कल इस पर बातचीत होनी चाहिए। कांग्रेस ने मांग की है चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएं। हमारा लोकतंत्र विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र है। उस लोकतंत्र पर कोई सवाल उठाता है, तब इसका जवाब चुनाव आयोग और सरकार को देना चाहिए। चुनाव आयोग तो कुत्ता है। कुत्ता बनकर नरेंद्र मोदी जी के बंगले के बाहर बैठता है। उन्होंने ईवीएम को लेकर उठ रहे सवालों पर कहा था, मैंने ये नहीं कहा कि ईवीएम हैक किया गया। मैं कह रहा हूं कि ईवीएम सेट और टेंपर किया गया है। दोनों शब्द अलग-अलग है। ये कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। इन्होंने सबसे पहली कोशिश मध्य प्रदेश में की।

आरएसएस ने की हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को बंद करने की अपील

-होसबोले ने कहा-बांग्लादेश सरकार और अन्य एजेंसियां बनी हैं मूकदर्शक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिन्मय कृष्ण दास की बांग्लादेश में गिरफ्तारी को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कड़ी आपत्ति जताई है। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने शनिवार को वक्तव्य जारी कर कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को बंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस समय में भारत और वैश्विक समुदाय एवं संस्थाओं को बांग्लादेश के पीड़ितों के साथ खड़े होकर अपना समर्थन प्रकट करना चाहिए और अपनी-अपनी सरकारों से हरसंभव प्रयासों की मांग करना विश्व शांति और भाईचारे के लिए जरुरी है। उन्होंने कहा कि इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को अन्यायपूर्ण कारावास से मुक्त करें। बांग्लादेश में हिन्दुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट, आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंत चिंताजनक हैं और आरएसएस इसकी भर्त्सना करता है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि वर्तमान बांग्लादेश सरकार और अन्य एजेंसियां इसे रोकने की जगह मूकदर्शक बनी हैं। बांग्लादेश के हिंदुओं द्वारा स्वरक्षण हेतु लोकतांत्रिक पद्धति से उठाई गई आवाज को दबाने के लिए उन पर अन्याय और अत्याचार का नया दौर उभरता दिख रहा है। ऐसे ही हिन्दुओं का नेतृत्व कर रहे चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश सरकार द्वारा कारावास भेजना अन्यायपूर्ण है। आरएसएस भारत सरकार से यह आह्वान करता है कि वह बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के प्रयासों को हरसंभव जारी रखे तथा इसके समर्थन में वैश्विक अभिमत बनाने के लिए यथाशीघ्र आवश्यक कदम उठाएं। विश्व हिंदू परिषद का मानना है कि विश्व समुदाय इन सब घटनाओं को संज्ञान में ले और बांग्लादेश पर अत्याचार रोकने का दबाव बनाए। विहिप ने कहा कि हम चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की रिहाई की मांग करते हैं और बांग्लादेश सरकार से किसी भी हिंदू नेता, हिंदू पुजारी या धार्मिक गुरु को बिना किसी कारण के गिरफ्तार करने की मानसिकता से बचने की अपेक्षा करते हैं।

भोपाल गैस त्रासदी: गंभीर रूप से बीमार लोगों को अधिक मुआवजे के लिए शीर्ष अदालत में याचिका दायर

भोपाल(एजेंसी)। दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक आपदा भोपाल गैस त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए काम करने वाले चार संगठनों ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कैंसर और किडनी विकारों से ग्रस्त पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है। दो और तीन दिसंबर 1984 की मध्य रात्रि में भोपाल के यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस के रिसाव के बाद कुल 5,479 लोग मारे गए थे और पांच लाख से अधिक लोग शारीरिक रूप से प्रभावित हुए थे।

'भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन' की रचना ढींगरा ने यहां संवाददाताओं से कहा, पीड़ितों को दिए गए मुआवजे में हुए अन्याय को दूर करने के लिए दो दिन पहले याचिका दायर की गई है। हमें उम्मीद है कि इस पर तीन दिसंबर को सुनवाई होगी, जो भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं वर्षगांठ है। उन्होंने कहा कि याचिका में कैंसर और किडनी की बीमारियों से पीड़ित उन लोगों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग की गई है, जिनके स्वास्थ्य को गैस के संपर्क में आने से हुए नुकसान को गलत तरीके से अस्थायी श्रेणी में रखा गया है। ढींगरा ने आरोप लगाया, यूनियन कार्बाइड के अपने दस्तावेजों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 'मिथाइल आइसोसाइनेट' के संपर्क में आने से स्वास्थ्य को होने वाली क्षति स्थायी प्रकृति की है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आधिकारिक एजेंसी ने मुआवजे के 93 प्रतिशत दावों को अस्थायी क्षति के तौर पर माना और गैस पीड़ितों को अपर्याप्त मुआवजा मिलने के पीछे यही मुख्य कारण है। सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत दायर आवेदनों के माध्यम से प्राप्त जानकारी साझा करते हुए, भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संगठन की अध्यक्ष रशीदा बी ने कहा, आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, कैंसर से ग्रस्त 11,278 पीड़ितों में से 90 प्रतिशत और घातक किडनी रोगों से ग्रस्त 1,855 पीड़ितों में से 91 प्रतिशत को अनुग्रह राशि के अलावा मुआवजे के रूप में केवल 25,000 रुपये मिले हैं।' भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के बालकृष्ण नामदेव ने दावा किया कि उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डॉ. एस. मुरलीधर ने शीर्ष न्यायालय में चारों गैर सरकारी संगठनों की याचिका प्रस्तुत करने पर सहमति व्यक्त की है। भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने 1991 और 2023 के उच्चतम न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए दावा किया कि शीर्ष अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को मुआवजे में किसी भी तरह की कमी को केंद्र सरकार द्वारा पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कमी के स्पष्ट मामले को सुधारने के लिए कैंसर और घातक किडनी रोगों से पीड़ित जीवित लोगों के लिए कम से कम पांच लाख रुपये के अतिरिक्त मुआवजे के लिए हमने याचिका दायर की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कैमरून में नाव पलटने से 20 लोगों की मौत

याउंडे, एजेंसी। प्रत्यक्षदर्शियों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार कैमरून के सुदूर उत्तरी क्षेत्र में एक नाव के पलट जाने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि नाव गुरुवार को उस समय पलट गई, जब वह क्षेत्र के लोगोन-एट-चारी डिवीजन में दाराक द्वीप से यात्रियों को ले जा रही थी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि और अधिक लोगों के हताहत होने की आशंका है, क्योंकि बचावकर्मी और अधिक पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए औपचारिक जांच शुरू कर दी गई है। जांच चल रही है इसलिए अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। इस क्षेत्र में नाव दुर्घटनाएं आम हैं, जो अक्सर ओवरलोडिंग, गलत तरीके से संचालन और खराब मौसम के कारण होती हैं। कैमरून मध्य और पश्चिम अफ्रीका में स्थित एक देश है। जो गिनी की खाड़ी के किनारे बसा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले से तिलमिलाए बाइडन, बोले- कीव की तुरंत मदद करने की जरूरत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में अब कुछ ही दिन का समय बचा है और यही वजह है कि वे यूक्रेन को लेकर परेशान हैं। खासकर रूस ने यूक्रेन पर जो ताबड़तोड़ हमले किए हैं, उसके बाद तो बाइडन तिलमिला गए हैं।

जो बाइडन ने गुरुवार को कहा कि रूस के यूक्रेन पर ताजा हमले बताते हैं कि हमें यूक्रेन की तुरंत मदद करने की जरूरत है। दरअसल जो बाइडन को चिंता है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को मदद देनी बंद कर दी, तो इससे यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। बाइडन की चिंता जायज भी है क्योंकि ट्रंप ने ऐसे संकेत दिए भी हैं कि वे यूक्रेन को दी जाने वाली मदद की समीक्षा करेंगे। रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर बड़ा हमला करते हुए करीब 200 मिसाइलें दागीं। रूसी हमले में यूक्रेन के पावर ग्रिड को भारी नुकसान हुआ है, जिसकी वजह से लाखों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। गुरुवार को बाइडन ने कहा कि इस दिन मेरा यूक्रेन के लोगों को संदेश साफ है, अमेरिका आपके साथ खड़ा है। गौरतलब है कि फरवरी 2022 के बाद से अब तक अमेरिका रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को 60 अरब डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद दे चुका है। वहीं जनवरी में अमेरिका के नए राष्ट्रपति बनने जा रहे ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध खत्म करने का वादा किया है। यूक्रेन को भी डर है कि ट्रंप उसकी वित्तीय मदद रोक सकते हैं या फिर कम कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप-राजदूत ने भी बुधवार को एक बयान में यही बात कही कि ट्रंप, यूक्रेन की मदद रोक देंगे, जो यूक्रेन की सेना के लिए मृत्युदंड जैसा होगा। जो बाइडन भी ये जानते हैं तभी बीते दिनों उन्होंने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में बड़ा फैसला करते हुए यूक्रेन को रूस के भीतरी इलाकों में लंबी दूरी की मिसाइलों के हमले की मंजूरी दे दी थी। जिसके चलते रूस ने अमेरिका समेत पश्चिमी देशों को धमकी देते हुए कहा था कि इसके गंभीर परिणाम होंगे।

बलूचिस्तान असेंबली में पीटीआई को बैन करने का प्रस्ताव पास

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी में इमरान खान के समर्थकों के उग्र प्रदर्शन से घबराई सरकार ने सेना उतार दी थी। इन विरोध प्रदर्शनों में 10 लोगों की जान चली गई। इसी बीच बलूचिस्तान विधानसभा में गुरुवार को इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को बैन करने का प्रस्ताव पास किया गया है। पाकिस्तानी मीडिया को सत्ताधारी पीएमएल-एन नेता राणा सनाउल्लाह ने बताया कि इस प्रस्ताव के दौरान विपक्षियों ने वॉकाउट कर दिया। उन्होंने कहा कि अब भी पार्टी के लिए बातचीत का रास्ता खुला हुआ है। बता दें कि इमरान खान के समर्थक इस्लामाबाद में बड़ा विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान 6 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। इसके बाद सेना को भी इस प्रदर्शन को कुचलने की छूट दे दी गई। फायरिंग में भी कई लोगों की मौत की सूचना है। बताया जाता है कि इस प्रदर्शन की बागडोर इमरान खान की पत्नी बूशरा बीबी के हाथ में थी। इमरान खान खुद इस समय जेल में हैं। बलूचिस्तान के मंत्री मीर सलीम अहमद खोसा ने पाटीआई को बैन करने का प्रस्ताव सदन में रखा था। उन्होंने कहा था कि पीटीआई के ही लोगों ने 9 मई 2023 को हिंसा फैला दी थी। उन्होंने कहा कि पीटीआई जिस तरह की सोच रखती है उससे हमारे देश का मीडिया, अर्थव्यवस्था और न्यायपालिका सब प्रभालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा के संसधाधनों का भी इस्तेमाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में किया जा रहा है। वहीं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफके सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि यह प्रांत के स्तर का फैसला है। इसको लेकर कैबिनेट में भी बातचीत हुई थी लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। खैबर पख्तूनख्वा में राज्यपाल शासन लगाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह कठिन काम है। हालांकि सहमति बनाने के बाद यह भी एक विकल्प है। सनाउल्लाह ने कहा कि अगर पीटीआई से बातचीत की जाती है और बार-बार हमारा अपमान होता है।

सीरिया में नहीं थम रहा संघर्ष, अलेप्पो में 200 से अधिक की मौत; विद्रोहियों ने प्रमुख राजमार्ग को काटा

दमिश्क, एजेंसी। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि एक दिन पहले, जिहादी समूह हयात तहरीर अल-शाम और उसके सहयोगी गुटों ने उत्तरी अलेप्पो प्रांत के सरकारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर अचानक हमला कर दिया। इससे भीषण लड़ाई शुरू हो गई। अलेप्पो के बाहरी इलाके पर कब्जे को लेकर सीरियाई सरकार और विद्रोहियों के बीच संघर्ष तेज हो गया है। रूसी लड़ाकू विमान सीरियाई सेना के साथ मिलकर विद्रोहियों के कब्जे वाले अलेप्पो के पूर्वी इलाके में लगातार हवाई हमले कर रहे हैं। इस बीच, जिहादी लड़ाकों ने गुरुवार को दमिश्क से अलेप्पो तक जाने वाले राजमार्ग को काट दिया। इस आक्रामक अभियान के दौरान करीब 200 लोग मारे गए हैं। एक निगरानीकर्ता का कहना है कि जिन लोगों की जान गई है उनमें रूसी वायु सेना के हमलों में मारे गए नागरिक भी शामिल हैं।

जिहादियों ने अचानक किया हमला : सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि एक दिन पहले, जिहादी समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) और उसके सहयोगी गुटों ने उत्तरी अलेप्पो प्रांत के सरकारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर अचानक हमला कर दिया। इससे तनाव के बीच सबसे भीषण लड़ाई शुरू हो गई।

अब तक 182 की मौत : निगरानीकर्ता ने कहा कि चल रही लड़ाई में मरने वालों की संख्या बढ़कर 182 हो गई है, जिसमें एचटीएस के 102 लड़ाके, सहयोगी गुटों के 19 और 61 शासन बलों और संबद्ध समूहों के लड़ाके शामिल हैं।

रूसी हमले में इतने लोगों की गई जान : निगरानी संस्था के प्रमुख रामी अब्देल रहमान ने कहा, अलेप्पो के ग्रामीण इलाकों में गुरुवार को रूसी हवाई हमलों में 19 नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले सीरियाई सेना की गोलाबारी में एक अन्य नागरिक की मौत हो गई थी।

सीरियाई राष्ट्रपति का करीबी सहयोगी है रूस : रूस सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद का करीबी सहयोगी है और उसने 2015 में पहली बार सीरिया के गृहयुद्ध में हस्तक्षेप किया था, जिससे संघर्ष का रुख राष्ट्रपति के पक्ष में हो गया, जिनकी सेनाएं कभी देश के केवल पांचवें हिस्से पर नियंत्रण रखती थीं।

इन मार्गों को किया प्रभावित : ब्रिटेन स्थित निगरानी संस्था ने कहा कि एचटीएस और उसके सहयोगी गुटों, जिनमें पड़ोसी तुर्की द्वारा समर्थित समूह भी शामिल हैं, ने दमिश्क-अलेप्पो अंतरराष्ट्रीय एम5 राजमार्ग को काट दिया। इसके अलावा एम4 और एम5 राजमार्गों के बीच जंक्शन को भी नियंत्रित कर लिया है। सीरिया के अंदर सूत्रों का नेटवर्क रखने वाली निगरानी संस्था ने कहा, वर्षों पहले शासन बलों द्वारा फिर से खोले जाने के बाद राजमार्ग को अब सेवा से बाहर कर दिया गया है। एम5 और एम4 राजमार्गों का जंक्शन राजधानी और शासन के तटीय गढ़ लताकिया को क्रमशः दूसरे शहर अलेप्पो से जोड़ता है।

14 हजाप से अधिक लोग हुए विस्थापित : मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने कहा कि हिंसा के कारण 14,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं जिनमें से लगभग आधे बच्चे हैं। सीरिया एक दशक से अधिक समय से गृह युद्ध की चपेट में है, हालांकि हाल के वर्षों में संघर्ष की तीव्रता में कमी आई है।

46 मिलिट्री बेस पर कब्जे का दावा : सीरिया के विद्रोही गुटों ने टेलीग्राम पर दावा किया है कि उन्होंने सीरियाई सरकार के 46 सैन्य अड्डों को कब्जे में ले लिया है। वे सिर्फ 10 घंटों के भीतर अलेप्पो शहर के कई गांव पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। हालांकि सीरियाई सरकार ने इन दावों पर कुछ नहीं कहा है। 2020 में तुर्किये की मदद से विद्रोहियों और असद सरकार के बीच एक समझौता कराया गया था, जिससे वहां बड़े हमलों में कमी आई थी। 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत हुई थी। साल 2000 से सीरिया के सत्ता में काबिज बशर अल असद की तानाशाही सरकार के खिलाफ लोकतंत्र समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। इसके बाद एक फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सउदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच यहां आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने भी अपने पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छुटपुट झड़प ही हुई हैं।

नहीं थम रहीं शेख हसीना की मुश्किलें; आईसीसी में मुकदमा चलाना चाहता है बांग्लादेश, यूनुस ने दिए संकेत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उनके सामने और मुसीबत बढ़ सकती हैं। दरअसल, ढाका ने अपदस्थ हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में मुकदमा चलाने की मांग की है, जबकि वह मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों में घरेलू न्यायाधिकरण में मुकदमे का सामना कर रही हैं।

आईसीसी के अभियोजक से की मुलाकात : यह जानकारी देश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को दी। उनकी प्रेस शाखा के एक अधिकारी ने कहा, मुख्य सलाहकार यूनुस ने हसीना के खिलाफ मुकदमे के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के अभियोजक करीम ए खान से चर्चा की, जिन्होंने जमुना स्थित उनके आधिकारिक आवास पर उनसे मुलाकात की।

पहले से ही दर्जनों मामले : बंग्लादेश में सरकारी नौकरी में आरक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद हसीना पांच अगस्त को भारत चली गई थीं। तीन दिन बाद ही नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के तौर पर कार्यभार संभाला था। सत्ता छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने दर्जनों केस दर्ज किए हैं, जिनमें मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप भी शामिल है। हसीना के अलावा उनके मंत्रिमंडल के कई सदस्यों के खिलाफ भी आरोप लगाए गए हैं।

इन पर चर्चा की : मोहम्मद यूनुस और करीम खान के बीच बुधवार को बैठक हुई। इस दौरान अंतरिम सरकार ने इस बात की जानकारी दी कि बांग्लादेश हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ आरोपों को आगे बढ़ाने का इरादा रखता है। हसीना पर इल्जाम है कि उनके साशन काल में बड़े पैमाने पर विद्रोह और नरसंहार हुए। दोनों ने रोहिंग्या संकट और उनके लिए मानवीय सहायता के साथ-साथ म्यांमार के मिलिटरी प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग के खिलाफ गिरफ्तारी के लिए औपचारिक वारंट का अनुरोध पर भी चर्चा की।

पिछले महीने मानवीय चूक के कारण डूबा था न्यूजीलैंड नौसेना का जहाज, जांच में खुलासा

वेलिंगटन, एजेंसी। पिछले महीने समोआ के तट पर रॉयल न्यूजीलैंड नौसेना का एक जहाज फंसने के बाद डूब गया था। हालांकि, जहाज पर सवार 75 यात्री और चालक दल सुरक्षित बचा लिए गए थे। अब एक जांच में खुलासा हुआ है कि नौसेना का एक जहाज मानवीय भूल के कारण फंस गया था। नौसेना का विशेषज्ञ गोताखोर और हाइड्रोग्राफिक जहाज एचएमएनजेडएस मनावानुई पांच अक्तूबर को सर्वेक्षण कार्य करते समय समोआ के दक्षिणी किनारे पर एक चट्टान पर फंस गया था। न्यूजीलैंड की नौसेना के प्रमुख रियर एडमिरल गेविन गोल्डिंग ने शुक्रवार को बताया, जमीन पर फंसने का सीधा कारण मानवीय भूल है, जिसका मतलब है कि जहाज का ऑटोपायलट उस समय बंद नहीं हुआ जब उसे बंद होना चाहिए था। चालक दल को एहसास नहीं हुआ कि जहाज ऑटोपायलट में था और परिणामस्वरूप सोचा कि दिशा परिवर्तन का जवाब देने में इसकी नाकामयाबी थ्रस्टर नियंत्रण विफलता का परिणाम थी। गोल्डिंग ने कहा कि चालक दल द्वारा गलती को नोटिस न करने के कारणों का पता एक व्यापक जांच का हिस्सा होगा, जिसे अगले साल की पहली तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है।

ईरान की धमकी- शिकंजा कसा तो परमाणु हथियार पर बैन हटाएंगे; नेतन्याहू बोले- रोकने के लिए कुछ भी करेंगे

तेहरान/यरुशलम, एजेंसी। बीते एक साल से ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच जंग जारी हैं। वहीं, इस युद्ध की लपटें लेबनान और ईरान तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, शांति की एक पहल के रूप में इस्राइल और हिजबुल्ला ने शुरुआती दो महीने के लिए युद्ध विराम कर लिया है।इस बीच, ईरान और इस्राइल के बीच तनातनी दिख रही। एक तरफ तेहरान धमकी दे रहा है कि अगर पश्चिमी देशों ने उस पर फिर से प्रतिबंध लगाए तो वह परमाणु हथियार हासिल करने पर लगे प्रतिबंध को खत्म कर सकता है। वहीं, इस पर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी साफ-साफ कह दिया कि वह ईरान को रोकने के लिए सब कुछ करेंगे।

इन तीन देशों के साथ करने वाला चर्चा : ईरान शुक्रवार को अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी से मिलने वाला है। इसके पीछे का कारण यह है कि तीनों देशों की सरकारों ने संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था द्वारा तेहरान की निंदा करवाने के लिए अमेरिका के साथ हाथ मिला लिया है।

ट्रंप के सत्ता से पहले बातचीत का संकेत : पिछले सप्ताह की फटकार के बाद तेहरान ने एक विद्रोही प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। मगर, उसके अधिकारियों ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने से पहले दूसरों के साथ बातचीत करने की इच्छा का संकेत दिया है। ईरान शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा के अपने अधिकार पर जोर

देता है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अनुसार, यह एकमात्र गैर-परमाणु-हथियार वाला देश है, जो 60 प्रतिशत तक यूरेनियम को समृद्ध कर रहा है।

तेहरान में हताशा बहस को दे रही हवा : ईरान के शीर्ष राजनयिक ने इस मामले पर बात करने से पहले गुरुवार को एक इंटरव्यू में कहा कि अगर पश्चिमी देशों ने उन पर फिर से प्रतिबंध लगाए तो ईरान परमाणु हथियार हासिल करने पर लगा प्रतिबंध समाप्त कर सकता है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि प्रतिबंध हटाने जैसी प्रतिबद्धताओं को पूरा न किए जाने पर तेहरान में हताशा इस बहस को हवा दे रही है कि क्या देश को अपनी परमाणु नीति में बदलाव करना चाहिए। हमारा अभी ऐसा कोई इरादा नहीं उन्होंने ब्रिटेन के एक अखबार से कहा, फिलहाल हमारा 60 प्रतिशत से आगे जाने का कोई इरादा नहीं है और अभी हमारा यही दृढ़ संकल्प है। मगर, ईरान में और अधिकतर अभिजात वर्ग के बीच यह बहस चल रही है कि क्या हमें अपने परमाणु सिद्धांत को बदलना चाहिए क्योंकि अब तक यह व्यवहार में नहीं दिखा है। तेहरान और प्रमुख शक्तियों के बीच 2015 के परमाणु समझौते का उद्देश्य ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के बदले में पश्चिमी प्रतिबंधों से राहत देना था ताकि वह हथियार क्षमता विकसित करने से रोक सके। तेहरान ने लगातार परमाणु हथियार बनाने के किसी भी इरादे से इनकार किया है। ईरान को रोकने के लिए सबकुछ करेंगे इस बीच, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए इस्राइल सब कुछ करेगा। उन्होंने कहा, मैं इसे परमाणु (शक्ति) बनने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा, मैं सभी संसाधनों का उपयोग करूंगा। इस्राइल इस क्षेत्र का एकमात्र भले ही अघोषित परमाणु-सशस्त्र राज्य है।

इंग्लैंड और वेल्स ला रहा है मरने के अधिकार को लेकर नया बिल

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड और वेल्स में एक नया बिल काफी चर्चा में है। यह बिल मरने के अधिकार को लेकर है। यह बिल यहां की संसद सदस्य किम लीडबीटर लेकर लेकर आ रही हैं। प्रस्तावित बिल के मुताबिक ऐसे बुजुर्ग, जिनके छह महीने के अंदर मर जाने की संभावना है, वह इसका लाभ ले सकेंगे। हालांकि इसका इस्तेमाल करने के लिए उन्हें खुद फैसला लेना होगा और इसके लिए उनका मानसिक तौर पर स्वस्थ होना भी जरूरी होगा। हालांकि इस बिल को लेकर अब वहां पर बहस छिड़ गई है। तमाम लोगों का कहना है कि इसका दुरुपयोग होने की संभावना काफी ज्यादा है।

कैसे करेगा काम : मरने के अधिकार पर कानून बनने के बाद इसके लिए खास प्रॉसेस होगा। इसके तहत मरने के इच्छुक व्यक्ति को दो अलग घोषणापत्र बनाने होंगे। यह घोषणापत्र गवाहों की मौजूदगी में बनेंगे और इस पर उस व्यक्ति के हस्ताक्षर भी होंगे। इसके अलावा दो स्वतंत्र डॉक्टर इस बात की पुष्टि करेंगे कि मरने का इच्छुक व्यक्ति वास्तव में इस हालत में है कि उसे इसकी इजाजत दी जा सकती है। अगर जरूरत पड़ी तो यह डॉक्टर एक्सपर्ट की राय भी ले सकेंगे। इसके बाद एक हाई कोर्ट जज इनमें से कम से कम एक डॉक्टर से बात करेगा

और अगर उसे लगता है तो मरने के इच्छुक व्यक्ति से भी सवाल करेगा। इस पूरी प्रक्रिया में 7 से 14 दिन लग सकते हैं। अगर किसी की मृत्यु नजदीक है उसके लिए यह समय 48 घंटे तय किया गया है।

अगर किसी ने दबाव बनाया तो : इस मामले में अगर कोई मरने वाले व्यक्ति पर दबाव बनाने का दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त प्रावधान हैं। ऐसा होने पर उस व्यक्ति को 14 साल तक की जेल हो सकती है। यह बात डॉक्टर तय करेंगे कि जिस व्यक्ति ने मरने की इच्छा जताई है क्या वास्तव में उसकी हालत ऐसी है कि वह छह महीने से अधिक जिंदा नहीं रह सकता है। अगर उसे किसी तरह के इलाज की जरूरत है तो डॉक्टर इसकी भी सलाह दे सकते हैं।

कौन करेगा निगरानी : सांसद किम लीडबीटर के मुताबिक इंग्लैंड एंड वेल्स के चीफ मेडिकल ऑफिसर्स और हेल्थ सेक्रेट्री इस कानून की निगरानी करने के अधिकारी होंगे। बता दें कि पहले भी यहां पर मरने के अधिकार संबंधी विधेयक पेश हो चुके हैं। साल 2015 में भी ऐसे ही एक कानून की चर्चा छिड़ी थी। तब असिस्टेड डाइंग बिल हाउस ऑफ कॉमंस में पेश किया गया था, लेकिन सांसदों ने इसे रिजेक्ट कर दिया। 2021-22 में ऐसा एक बिल हाउस ऑफ लॉर्ड्स तक पहुंचा था। वहीं, जुलाई 2022 और अप्रैल 2024 में भी मरने के अधिकार संबंधी बिल पर चर्चा हो चुकी है।

अपनी शक्ति किसी को न छीनने दें : कमला हैरिस का समर्थकों को संदेश

न्यूयॉर्क, एजेंसी। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने समर्थकों से कहा कि उन्हें अपनी ताकत की रक्षा करनी होगी। अपनी हार स्वीकारने वाली स्पीच के बाद यह उनका अपने समर्थकों के लिए पहला संदेश है। हैरिस ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं आपको बस यह याद दिलाना चाहती हूं कि आप किसी को भी अपनी ताकत को छीनने की इजाजत न दें। हैरिस ने कहा, आपके पास वही शक्ति है जो 5 नवंबर से पहले थी, और आपके पास वही उद्देश्य है जो पहले था।। उन्होंने आगे कहा, इसलिए कभी भी किसी व्यक्ति या हालात को इस ताकत को आपसे छीनने न दें।

चुनावी हार के बाद से हैरिस ने सार्वजनिक आयोजनों से दूर रही हैं। हार के बाद वह हवाई में छुट्टियां मनाने चली गईं और सोमवार को अपने गृह निवास सैन फ्रांसिस्को लौट आईं। डेमोक्रेटिक पार्टी, ने मंगलवार को एक्स और टिकटॉक पर 29 सेकंड का उनका वीडियो संदेश जारी किया। हालांकि यह नहीं बताया कि यह कब और कहां रिकॉर्ड किया गया। बीडियो में बोलते समय कमला हैरिस बेहद भावुक नजर आ रही थी। वह अपनी बात पर जोर देने के लिए हाथों से इशारे भी कर रही थीं।

इससे पहले 6 नवंबर को अपने भाषण में, हार स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा, मैं ऐसे भविष्य के लिए लड़ाई कभी नहीं छोड़ूंगी जहां अमेरिकी अपने सपनों, महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा कर सकें। कमला हैरिस के राजनीतिक भविष्य को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। एक संभावना यह जताई जा रही है कि वह 2026 में कैलिफोर्निया के गवर्नर पद का चुनाव लड़ सकती हैं और गैविन न्यूसम की जगह ले सकती हैं।

न्यूसम का दूसरा कार्यकाल 2027 में समाप्त हो रहा है और वह राज्य के कानून के तहत तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। हालांकि वह इससे उच्च पद पर रह चुकी हैं, लेकिन सबसे अधिक आबादी वाले और सबसे अमीर राज्य के गवर्नर के पास उपराष्ट्रपति की तुलना में वास्तविक रूप से कहीं अधिक शक्तियां होती हैं। न्यूसम खुद 2028 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं।

दूसरी संभावना यह है कि हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए फिर से चुनाव लड़ें, हालांकि उनके खिलाफ दो बातें जाती हैं। 2020 में नामांकन के लिए पार्टी प्राइमरी से बाहर हो गई थीं और इस साल, उन्हें बिना किसी प्रतियोगिता के नामांकन मिला, लेकिन वह डोनाल्ड ट्रंप से हार गई।

पुतिन बोले- ट्रम्प अभी भी सुरक्षित नहीं:अमेरिका में पहले भी बड़े नेताओं की हत्या हुई, वे होशियार नेता, उम्मीद है अलर्ट होंगे

अस्ताना, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। सीएनएन के मुताबिक पुतिन ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव जीतकर ट्रम्प ने एक बड़ी परीक्षा पास कर ली है, लेकिन अभी भी वे सुरक्षित नहीं हैं। पुतिन ने कहा- ट्रम्प को रोकने के लिए कई गलत तरीके इस्तेमाल हुए। दो बार जानलेवा हमला भी हुआ। अभी भी उन्हें सतर्क रहना होगा। अमेरिकी इतिहास में ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। कई बड़े नेताओं की हत्या हुई। उम्मीद है कि ट्रम्प इसे समझते होंगे। गौरतलब है कि ट्रम्प जुलाई में पेंसिल्वेनिया में भाषण दे रहे थे तब उन पर जानलेवा हमला हुआ था। इसमें वे मामूली तौर पर घायल हुए थे। इसके बाद सितंबर में फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में एक एक शख्स ने उनकी जान लेने की कोशिश की थी, लेकिन वे नाकाम हो गया। पुतिन ने यह भी कहा कि ट्रम्प के परिवार और उनके बच्चों के खिलाफ कई बातें कही गईं। रूस में ऐसा नहीं होता है। यहां बुरे लोग भी परिवार को बीच में नहीं लाते। पुतिन कजाकिस्तान में पत्रकारों से बात कर रहे थे। पुतिन यहां एक डिफेंस समिट में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं। पुतिन बोले- ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ा रहे बाइडेन पुतिन ने यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियारों का रूस में इस्तेमाल करने की अनुमति देने पर कहा- बाइडेन प्रशासन

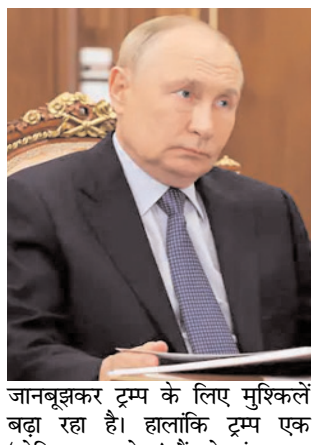

जानबूझकर ट्रम्प के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है। हालांकि ट्रम्प एक 'होशियार राजनेता' हैं जो जंग खत्म करने के लिए कोई न कोई समाधान ढूंढ़ लेंगे। हम भी ट्रम्प से बातचीत के लिए तैयार हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या बाइडेन के फैसले से क्या रूस-अमेरिका के संबंधों पर असर पड़ेगा, पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ट्रम्प के आने के बाद चीजें बेहतर हो सकती हैं। ट्रम्प चुनावी प्रचार के दौरान कई बार यूक्रेन जंग को 24 घंटे में खत्म करने का दावा कर चुके हैं। हालांकि वे इसे कैसे खत्म करेंगे, यह नहीं बताया है। पुतिन ने यूक्रेन पर और ज्यादा 'ओरेश्निक' मिसाइलों से हमला करने की धमकी दी। रूस ने पहली बार 21 नवंबर को यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेश्निक से हमला किया था।

पुतिन ने कीव पर और हमला करने की धमकी दी रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर करीब 200 मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था। इस पर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन की ओर से रूस में लंबी दूरी की एटीएसीएमएस मिसाइलों से किए गए हमले के जवाब में यह हमला किया गया है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि कीव में और हमले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि रूस पहले हमला नहीं करता।

यूक्रेन में 10 लाख लोग बिना बिजली 0 डिग्री तापमान में रहने को मजबूर रूस के हमले के बाद यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हरमन हालुशेंको ने कहा कि देश में ऊर्जा के लगभग सारे साधन ठप पड़ गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन में लगभग 10 लाख लोगों को 0 डिग्री तापमान में बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ी।

हालुशेंको ने कहा कि, यूक्रेन में एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अटैक हो रहे हैं, इस वजह से नेशनल पावर ग्रिड के ऑपरेटर ने इमरजेंसी बिजली कटौती शुरू कर दी है। कीव, ओडेसा, निप्रो और डोनेट्स्क में बिजली सप्लाई में मुश्किल हो रही है। रूस ने फरवरी 2022 के बाद से कई बार यूक्रेन के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है, इस वजह से बार-बार देश भर में इमरजेंसी बिजली कटौती और रोलिंग ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हुई है। यूक्रेन के मुताबिक सिर्फ इस साल रूस ने 11वीं बार एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के सचिन पाली गांव में रहने वाले श्रमिक परिवारों की तीन बच्चियों की संदिग्ध मौत से पुलिस और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन पाली गांव में रहने वाले श्रमिक परिवारों की तीन बच्चियों की संदिग्ध मौत से पुलिस और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। तीन में से दो बच्चियों ने आइसक्रीम खाई थी, जिससे उनकी मौत को लेकर सस्पेंस बढ़ गया है। हालांकि, पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई गई है कि तापन (गर्मी) के दौरान धुएं के कारण इन तीनों बच्चियों की मौत हुई है। लेकिन मौत का सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही स्पष्ट हो पाएगा। एक ही दिन में तीन-तीन परिवारों ने अपनी प्यारी बेटियों को खो दिया, जिससे परिवारजनों में मातम का माहौल है।

कड़ाके की ठंड से बचने के लिए आग जलाकर तापने का सहारा लिया और...

सचिन पाली क्षेत्र के अर्जुन चाल में रहने वाली 14 साल की अमृत, 12 साल की अनीता और 9 साल की दुर्गा अपने घर के पास आग जलाकर ताप रही थीं। ठंड से बचने के लिए वे इसका आनंद ले रही थीं, लेकिन ये पल जानलेवा साबित हुए। वातावरण में जहरीला धुआं फैलने से उन्हें चक्कर आना शुरू हो गया और संभलने का मौका भी नहीं मिला। तीनों में से दुर्गा की छोटी बहन शीला भी वहां मौजूद थी, लेकिन वह समय रहते बच गई।

शुरुआत में आइसक्रीम खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग की बात सामने आई थी, लेकिन पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह घटना धुएं के कारण दम घुटने से हुई है।

मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करने वाले रामबालक महतो की इकलौती बेटी अमृत की मौत ने परिवार को तोड़कर रख दिया है। चार भाइयों के बीच अकेली बहन थी, जिसका असमय निधन पूरे परिवार को गहरे शोक में डूबो गया। अनीता के पिता एक निजी कंपनी में नौकरी करते थे, जबकि दुर्गा के माता-पिता मजदूरी करते थे। इन परिवारों के लिए इस क्षति को सहन करना बेहद कठिन हो गया है।

सूरत महानगर पालिका के मेयर दक्षेश मावाणी तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचे और परिवारजनों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा, ''बच्चियों के पैनल पोस्टमार्टम और पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही सही कारण पता चल सकेगा। परिवारजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए नगरपालिका प्रशासन आगे आएगा।''

इस घटना में दुर्गा की छोटी बहन शीला जीवन-मृत्यु के संघर्ष से बच गई। हालांकि, वह भी जहरीले धुएं के असर से प्रभावित हुई थी, लेकिन समय पर इलाज मिलने से अब वह धीरे-धीरे ठीक हो रही है। आग तापते समय चक्कर आने के बाद उल्टियां होने लगीं - शीला इस दुर्घटना के समय शीला नाम की एक बच्ची भी मौजूद थी, जिसका चमत्कारिक रूप से बचाव हुआ। उसने बताया, ''मैं, मेरी बहनें और दो अन्य लड़कियां आग ताप रही थीं। जो दो लड़कियां आई थीं, वे आइसक्रीम खाते-खाते हमारे पास आई थीं। हमें ठंड लग रही थी, इसलिए हम आग ताप रहे थे। तभी अचानक चक्कर आने लगे और फिर उल्टियां होने लगीं। हम डरकर तुरंत घर की ओर भाग गए।''

परिजनों के मुताबिक, घर के पास स्थित एक दुकान से पांच बच्चियों ने आइसक्रीम खाई थी। रात में ये पांचों बच्चियां आग ताप रही थीं। आग ताप रही तीन बच्चियों को उल्टियां होने लगीं। उल्टी के बाद वे बेहोश हो गईं। इसके बाद तीनों बच्चियों को पास के अस्पताल ले जाया गया। इनमें से दो बच्चियों की निजी अस्पताल में और एक की सूरत सिविल अस्पताल में मौत हो गई। मौत का असली कारण जानने के लिए सूरत सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

परिजनों ने बताया कि पहले पास के एक निजी अस्पताल में तीनों बच्चियों का इलाज किया गया। इसके बाद हालत बिगड़ने पर दुर्गा कुमारी को नवसारी सिविल अस्पताल ले जाया गया। वहां रात में उन्हें किसी और अस्पताल ले जाने का दबाव बनाया गया और इलाज बंद कर दिया गया। रात होने के कारण परिजनों ने डॉक्टरों से गुहार लगाई, लेकिन डॉक्टरों ने नहीं सुनी। सुबह चार से पांच बजे के बीच बच्ची को सूरत सिविल अस्पताल ले जाया गया।

सुबह होते ही दो बच्चियों की मौत हो गई, जबकि दुर्गा कुमारी को सूरत सिविल अस्पताल में भर्ती करने में आनाकानी की जा रही थी। बाद में उच्च अधिकारियों के निर्देश पर उसे भर्ती किया गया। ऑक्सीजन सहित अन्य उपचार दिए जाने के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ।

अंतत: सुबह बच्ची का निधन हो गया। तीनों बच्चियों की मौत के बाद परिजनों में आक्रोश और शोक का माहौल है।

पोस्टमोर्टम से सही तथ्य सामने आएंगे
डॉ. केतन नायक, RMO

डॉ. केतन नायक ने बताया कि यह घटना सूरत के सचिन पाली गांव की है। घटना के अनुसार, आग तापने के दौरान धुआं फैलने की बात सामने आई है, और आइसक्रीम खाने की घटना भी जुड़ी हुई है। हालांकि, एक बच्ची की मां का कहना है कि उसकी बेटी ने आइसक्रीम नहीं खाई थी। उन्होंने बताया कि आग तापने के बाद उल्टियां होने पर बच्ची की मौत हो गई। पोस्टमोर्टम कराया जा रहा है, जिससे सही तथ्य सामने आएंगे।

सभी मृतक बच्चों की उम्र 14 साल से कम है, जिनमें अनिता महंती (उम्र 8 साल), दुर्गा कुमारी (उम्र 12 साल) और अमिता महंती (उम्र 14 साल) शामिल हैं।

धुएं के कारण मौत होने की संभावना: PI चौधरी

घर के पास खेल रही तीन मासूम लड़कियों की मौत के बाद सचिन पाली गांव में भारी हड़कंप मच गया है। इस घटना के बाद प्रशासन भी तेजी से कार्रवाई में जुट गया था। शुरुआत में इस बात पर चर्चा हो रही थी कि आइसक्रीम खाने के बाद फूड पॉयज़निंग के कारण मौत हुई है। लेकिन पुलिस द्वारा की गई जांच में यह पता चला कि तीन में से दो किशोरियों ने ही आइसक्रीम खाई थी। इसके बाद PI जे. आर. चौधरी ने प्रारंभिक आशंका जताई कि ज़हरीले धुएं के कारण दम घुटने से तीनों लड़कियों की मौत हुई हो सकती है।

सूरत में शासक पक्ष की कमजोरी के कारण BJP के कॉर्पोरेटर ने दबाव हटाने की शिकायत की।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम की शुक्रवार की सामान्य सभा में बीजेपी के एक कॉर्पोरेटर ने निगम के अनामत प्लॉट पर कब्जे को लेकर शिकायत की। हालांकि, इस शिकायत में बीजेपी के कॉर्पोरेटर ने अनजाने में बीजेपी की कमजोर कार्यप्रणाली को उजागर किया। बीजेपी के कॉर्पोरेटर ने सामान्य सभा में शिकायत करते हुए कहा कि आंजणा इलाके में नगर निगम का अनामत प्लॉट है, जिस पर 1995 से अवैध कब्जा है और वहां 250 से अधिक झोपड़ियां और कच्चे-पक्के मकान बने हुए हैं, जिनको हटाने का कार्य अभी तक नहीं किया गया। उन्होंने पुलिस की मदद से इस कार्य को जल्दी से जल्दी पूरा करने की मांग की।

सूरत महानगरपालिका में 1995 से लगातार बीजेपी का शासन रहा है, और इस बीजेपी शासन में राज मार्ग जैसे इलाकों के रोड चौड़े करने के लिए डिमोलिशन किया गया था। यह बात भी नगर निगम की सामान्य सभा में उठाई गई थी, और इसके साथ ही बीजेपी के कॉर्पोरेटर विजय चौमले ने कहा कि सूरत नगरपालिका के वार्ड नंबर 19 में टीपी स्कीम नंबर 7 के फाइनल प्लॉट नंबर 181 पर नगर निगम का अनामत प्लॉट है। यह प्लॉट लोगों के हित में प्रोजेक्ट के लिए अनामत रखा गया था, लेकिन इस प्लॉट पर 1995 से लेकर अब तक कब्जा है, जिसे हटाया नहीं गया है।

उन्होंने कहा कि, शहर के मध्य में स्थित इस प्लॉट पर 250 से अधिक झोपड़ियां और कच्चे-पक्के निर्माण किए गए हैं। यह प्लॉट अनामत होने के कारण इसे खाली करने के लिए नोटिस भी दी गई है, लेकिन अब तक इस पर से कब्जा हटाया नहीं गया है। 1995 से यहां कब्जा है और यह एक महत्वपूर्ण स्थान है, जहां जनता के हित के लिए प्रोजेक्ट लाए जा सकते हैं। उन्होंने मांग की कि इस अनामत भूमि पर हुए कब्जे को पुलिस बल के साथ हटाया जाए।

हालांकि, 1995 से सूरत नगर निगम में बीजेपी का सशक्त शासन रहा है। इस दौरान ही कब्जे हुए हैं। यह कहा गया कि जितने वर्षों से सूरत नगर निगम में बीजेपी का शासन है, उतने वर्षों से ही ये कब्जे भी हैं। इस प्रकार, इन कब्जों को हटाने में बीजेपी शासकों की कमजोरी को भी उजागर किया गया है। अब देखना यह होगा कि बीजेपी के शासनकाल में हुए ये कब्जे नगर निगम प्रशासन द्वारा हटाए जा सकते हैं या नहीं, समय ही इसका जवाब देगा।

साथी सिक्योरिटी गार्ड की हत्या की थी और फायरिंग का 18 साल से फरार आरोपी गांधीनगर से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उमरा पुलिस स्टेशन में 2006 में दर्ज फायरिंग और हत्या के मामले में 18 साल से फरार आरोपी रामअवतार उर्फ मनोज सिंह यादव को सूरत शहर पुलिस की क्राइम ब्रांच (PCB) की टीम ने गांधीनगर से गिरफ्तार किया है।

हत्या के बाद आरोपी उत्तर प्रदेश भाग गया था

शहर के उमरा इलाके में 2006 में रामअवतार एक सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम कर रहा था। उसका अपने साथी इन्द्रसिंह यादव के साथ विवाद हुआ, जिसके बाद रामअवतार ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से गोली चलाई। गोली इन्द्रसिंह के गले में लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद रामअवतार पुलिस से बचते हुए उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले भाग गया था। तब से वह अपना ठिकाना लगातार बदलता रहा और पुलिस के कई प्रयासों के बावजूद वह पकड़ा नहीं जा सका।

विशेष अभियान के तहत आरोपी गिरफ्तार

19 नवंबर, 2024 से शुरू किए गए नासते फरार अपराधियों को पकड़ने के विशेष अभियान के तहत यह गिरफ्तारी की गई है। PCB के PI आर. एस. सुवेरा के मार्गदर्शन में टीम ने तकनीकी निगरानी और मानव स्रोतों के आधार पर जानकारी प्राप्त की कि रामअवतार गांधीनगर के सरगासन इलाके में सहजानंद होम्स में रह रहा था।

अपराध की कबूलात की

पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि 2006 में हुए झगड़े के बाद उसने गुस्से में आकर गोली चलाई और फिर हत्या के बाद वह अपने गांव भाग गया। वह पुलिस से बचने के लिए लगातार अलग-अलग स्थानों पर रहा और पुलिसकर्मियों को बार-बार चकमा देता रहा।

तालुका पंचायत सदस्य ने TDO को थप्पड़ मारा

तालुका पंचायत परिसर में स्टाफ के सामने मारपीट, पुलिस ने गिरफ्तारी की आरोपी को रात में पत्थरी का दर्द होने पर उपचार के लिए भेजा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के तालुका पंचायत परिसर में एक विवाद के दौरान तालुका पंचायत के सदस्य ने तहसीलदार (TDO) को थप्पड़ मारा। इसके बाद आरोपी ने पंचायत के स्टाफ के सामने मारपीट की, जिससे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को रात के समय पत्थरी का दर्द होने पर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

महुवा तालुका पंचायत के सदस्य पर टीडीओ से मारपीट और गाली-गलौच का आरोप, मामला महुवा पुलिस स्टेशन में दर्ज

महुवा तालुका पंचायत की शेखपुर सीट से निर्वाचित सदस्य परिमल पटेल ने शुक्रवार शाम को महुवा तालुका विकास अधिकारी (TDO) पी.सी. महाला को गालियां दी और उनके गाल पर थप्पड़ मारा, साथ ही शरीर पर मुक्के भी मारे। इस घटना के बाद काफी हंगामा हुआ, जिसके बाद मामला महुवा पुलिस स्टेशन तक पहुंचा। महुवा पुलिस ने TDO की शिकायत के आधार पर तालुका पंचायत सदस्य परिमल पटेल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शेखपुर सीट से चुनाव जीतने वाले परिमल पटेल एक बार फिर विवादों में फंस गए हैं।

महुवा पुलिस को तालुका विकास अधिकारी द्वारा दी गई शिकायत में बताया गया कि वे अपना सरकारी वाहन (सुमो) लेकर कुमकोतर गांव से सरकारी कार्यक्रम में शामिल होकर महुवा वापस आ रहे थे। इस दौरान वांस्कुई गांव की सीमा में तालुका पंचायत सदस्य परिमल पटेल ने अपनी अल्टो कार (GJ-19-M-8272) तेजी से आगे बढ़ाकर सरकारी वाहन के सामने अचानक अपनी कार अड़ा दी, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया। सरकारी वाहन में सवार मुकेश राठोड़ को फोन कर परिमल पटेल ने पूछा, ''तुम गाड़ी क्यों खड़ी कर रहे थे? मुझे यह जानना था कि गाड़ी में कौन-कौन हैं। तुम टीडीओ साहब के साथ घूम रहे हो, तुम्हें देख लूंगा और तुम्हारी नौकरी भी जाएगी, तुम्हारा पोटला भी उलट दूंगा,'' ऐसी धमकी दी।

इसके बाद महुवा तालुका विकास अधिकारी पी.सी. महाला महुवा तालुका पंचायत कार्यालय पहुंचे और वहां से नायब जिला विकास अधिकारी डी.एम. महाकाल के साथ महुवा गांव में जिला पंचायत स्वभंडार आवास की जांच के लिए सरकारी काम पर निकल पड़े। इस दौरान सदस्य परिमल पटेल वहां आए और अचानक उकसते हुए उन्होंने सभी स्टाफ के सामने तालुका पंचायत परिसर में टीडीओ को अपशब्द कहे, चार-पांच थप्पड़ गाल पर मारे और शारीरिक रूप से हमला करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस घटना से परिसर में हड़कंप मच गया।

घटना के बाद महुवा टीडीओ ने महुवा पुलिस को सूचना दी और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तालुका पंचायत सदस्य परिमल पटेल के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी की और कानूनी कार्रवाई शुरू की। आरोपी को महुवा पुलिस स्टेशन लाने के बाद परिमल पटेल को अचानक पत्थरी का दर्द शुरू हो गया। दर्द के साथ परिमल पटेल को महुवा रेफरल अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया।

इलाज के बाद दर्द कम होने पर परिमल पटेल को फिर से पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां पुलिस ने उसकी और पूछताछ की।

100 करोड़ रुपये की गौचर ज़मीन पर की गई नोटिंग को रद्द कर दिया जाएगा।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मगोब गांव समस्त संस्था के निर्णय के आधार पर गलत तरीके से दस्तावेज़ तैयार किए गए थे। जिले के कलेक्टर ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। 100 करोड़ रुपये की गौचर ज़मीन पर की गई नोटिंग को रद्द कर दिया जाएगा। कलेक्टर द्वारा की जा रही जांच में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जमीन की सही तरीके से पहचान हो और कोई भी गलत दस्तावेज़ खारिज कर दिए जाएं।

मगोब गांव में स्थित गौचर जमीन को बेचे जाने के मामले में जिला कलेक्टर ने जांच शुरू कर दी है, और आगामी दिनों में गलत तरीके से की गई कच्ची नोटिंग को रद्द करने की संभावना जताई जा रही है। यह जमीन कई साल पहले मूल मालिक द्वारा मगोब गांव समस्त संस्था को दी गई थी, और इसका उपयोग गौचर के रूप में किया जाना था। हालांकि, मगोब गांव समस्त संस्था के प्रबंधक ने बिना किसी मंजूरी के, जैसे कि चैरिटी कमिशनर से, जमीन को बेच दिया था। लगभग 100 करोड़ रुपये की इस जमीन के दस्तावेज़ गलत तरीके से तैयार किए गए थे और कच्ची नोटिंग भी की गई थी।

जांच में यह पाया गया कि जमीन पर विवाद चल रहा था, और कच्ची नोटिंग को रद्द करने का आदेश दिया गया है। 2 दिसंबर को इस मामले की अगली सुनवाई होने की योजना है। इसके अलावा, यह आदेश भी दिया गया है कि इस जमीन पर कोई भी बदलाव न किया जाए और स्थिति को यथावत बनाए रखा जाए। यह भी सामने आया है कि समस्त संस्था ने शर्तों का उल्लंघन किया था, और उस समय सरकार से जमीन वापस लेने की भी मांग की गई थी। जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी ने बताया कि इस मामले की जांच तहसीलदार को सौंप दी गई है, और जांच के बाद रिपोर्ट सरकार को भेजी जाएगी।

मासूम बच्ची पर भटकते कुत्ते ने हमला कर दिया था

आंख से नाक में पानी जा रहा था, नली टूट जाने के कारण स्टेंट लगाना पड़ा, डेढ़ घंटे में 30 टांके लगाकर बच्ची की आंख बचाई गई।

डेढ़ साल की बच्ची को कुत्ते ने आंख और सिर में घाव कर दिए थे, सिविल अस्पताल में सफल एप्थोप्लास्टी सर्जरी की गई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पांडेसरा में डेढ़ साल की मासूम बच्ची पर आवारा कुत्ते ने हमला किया था, जिससे बच्ची की आंख और सिर के हिस्से में गंभीर चोटें आईं और उसे अपनी आंख खोने का खतरा था। नई सिविल अस्पताल में डॉक्टरों ने कड़ी मेहनत से उसकी आंख बचा ली। ऑपरेशन कितनी जटिल प्रक्रिया थी, यह डॉ. तृप्ती के शब्दों में पढ़िए:

शहर के पांडेसरा क्षेत्र में घर के पास खेल रही डेढ़ साल की बच्ची दिशा राहुल मौर्य (उम्र 1.5) को कुत्ते ने मुँह और सिर के हिस्से में गंभीर चोटें पहुँचाई थीं। बच्ची को गुरुवार को अस्पताल में भर्ती किया गया, और इंफेक्शन न फैलने के लिए इम्युनोग्लोबिन इंजेक्शन दिया गया था। शुक्रवार को उसकी सर्जरी की गई। बच्ची की आंख और नाक के रास्ते में कुत्ते के हमले से आंतरिक नलिका टूट गई थी, जिसे फिर से जोड़ने के लिए स्टेंट डाला गया। ऑपरेशन बेहद जटिल था, क्योंकि यह मामला काफी गंभीर था। छह से आठ महीने पहले भी ऐसा एक मामला अस्पताल में आया था, लेकिन उस बच्ची की आंख की कीकी फूट गई थी, जिससे उसकी आंख बचाना संभव नहीं था, और आज भी मुझे उस पर अफसोस है। लेकिन इस बच्ची की आंख बचाई जा सकी। ऑपरेशन के बाद हमें यह सुनिश्चित करना था कि बच्ची बड़ी होने पर ऑपरेशन के टांके खराब न हों।

ऑपरेशन में डॉक्टर वाशवी और डॉ. कुंजन पटेल भी साथ थे। हमें ऑपरेशन में डेढ़ घंटे का समय लगा और 30 टांके लगाने पड़े। जिस तरह दिल में ब्लॉकेज होने पर स्टेंट डाला जाता है, उसी तरह नाक और आंख के बीच की नलिका में भी स्टेंट डाला गया था। इस ऑपरेशन में काफी सावधानी रखनी पड़ती है, क्योंकि अगर टांके ठीक से न लगाए जाते, तो टांकों की डोर आंख की कीकी से घिस सकती थी, जिससे समय के साथ दृष्टि भी चली जाती। इसलिए हमने माइक्रोस्कोप की मदद से यह ऑपरेशन किया।

ऑपरेशन इस तरह किया गया कि बच्ची का चेहरा खराब न दिखे। माइक्रोस्कोप में टांके के धागे और मांसपेशियां साफ दिख रही थीं, जिससे ऑपरेशन सफल हुआ। हमें खुशी है कि बच्ची की आंख बचाई जा सकी।